E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 128 | प्रयागराज, सोमवार 31 अगस्त, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में 898 कर्मचारी फंसे,6 इंच छेद कर पाइप से ऑक्सीजन पहुंचाई,बाढ़ से अब तक 750 मौतें

काठमांडू। नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है। त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है।अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशुली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 734 लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। नेपाल की मदद के लिए कई देश आगे आए- नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा है कि भीषण बाढ़ से हुए नुकसान का आंकड़ा अरबों डॉलर तक पहुंच सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस स्तर पर नुकसान का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। इस बीच कई देशों ने नेपाल के लिए आर्थिक और मानवीय मदद का ऐलान किया है। भारतः विदेश मंत्री एस. जयशंकर के मुताबिक, भारत से राहत सामग्री लेकर तीसरी उड़ान शुक्रवार को काठमांडू पहुंची। इसमें 10 टन मानवीय सहायता के साथ 11 सदस्यीय मेडिकल और सुरंग बचाव टीम भी शामिल थी। ब्रिटेनः प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने 50 लाख पाउंड की मदद का ऐलान किया है। उन्होंने नेपाल की स्थिति को बेहद चिंताजनक और भयावह बताया। यूरोपीय संघः यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 20 लाख यूरो की तत्काल मानवीय सहायता देने की घोषणा की है। इस मदद का इस्तेमाल लोगों तक जरूरी राहत सामग्री पहुंचाने में किया जाएगा। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

भारत-उज्बेकिस्तान के बीच यूरेनियम सप्लाई पर बातचीत, मोदी बोले- रणनीति के साथ आगे बढ़ेंगे

उज्बेकिस्तान। उज्बेकिस्तान के दौरे पर गए पीएम मोदी और राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के बीच रविवार को ताशकंद में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक में भारत-उज्बेकिस्तान के बीच यूरेनियम सप्लाई पर चर्चा हुई। मोदी ने कहा, 'हम यूरेनियम की आपूर्ति के लिए भी एक रणनीति के साथ आगे बढ़ेंगे और एक व्यवस्था बनाएंगे।

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने कहा, मोदी जी मेरा मानना है कि आपके नेतृत्व में भारत सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। आपके करीबी मित्र के तौर पर हम निश्चित रूप से इन सभी उपलब्धियों को देखकर बहुत खुश हैं। पीएम मोदी दो दिन के उज्बेकिस्तान दौरे पर हैं। उन्होंने रविवार सुबह ताशकंद में एक योग सेशन में हिस्सा लिया। पीएम ने वहां मौजूद लोगों को योग करना भी सिखाया। 31 अगस्त को पीएम किर्गिस्तान जाएंगेः एससीओ समिट में शामिल होंगेः-उज्बेकिस्तान दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रहेंगे। यहां वे एससीओ की 26वीं समिट में हिस्सा लेंगे। भारत 2017 से एससीओ का पूर्ण सदस्य है। समिट में सुरक्षा, आतंकवाद, व्यापार, कनेक्टिविटी और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। समिट के दौरान मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य देशों के नेताओं से मुलाकात हो सकती है। मोदी बिश्केक में होने वाले 6वें वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे। किर्गिस्तान में मोदी के लिए गुजराती खाना; थेपला, खिचड़ी और कढ़ी बनेगी- किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में गांधी रेस्टोरेंट के हेड शेफ चिन्मय बडोदेकर ने बताया कि पीएम मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि उनके लिए घर जैसा ताजा गुजराती खाना तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नाश्ते में पोहा, उपमा और इडली-सांभर रखा जाएगा। लंच में थेपला, दाल-चावल और गुजराती सब्जियां परोसी जाएंगी। वहीं डिनर में पीएम मोदी के लिए खिचड़ी-कढ़ी बनाई जाएगी। भारत के लिए क्यों अहम है यह दौरा; 4 पॉइंटः- 1. खनिजों का भंडारः भारत लंबे समय से मध्य एशिया के देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। मध्य एशिया तेल, गैस, यूरेनियम और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का बड़ा भंडार है।2. ऊर्जा जरूरतः भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र के देशों के साथ सहयोग बढ़ाना चाहता है। 3. नए बिजनेस रूटः भारत मध्य एशिया के देशों के साथ व्यापार भी बढ़ाना चाहता है। इसके लिए वह नए व्यापार और परिवहन मार्ग विकसित करने पर काम कर रहा है।4. आतंकवाद के खिलाफ मुहिमः अफगानिस्तान की स्थिति और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी भारत इन देशों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है।

आतंकी पोर्न वेबसाइट्स पर सीक्रेट चैटिंग कर रहे,पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स इसी पर मैसेज भेजत

श्रीनगर। पाकिस्तान में बैठे आतंकी सीक्रेट चैटिंग के लिए अब पोर्न वेबसाइट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को बताया कि आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया

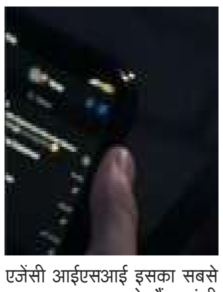

एजेंसी आईएसआई इसका सबसे ज्यादा यूज कर रहे हैं-आतंकी इसके जरिए जम्मू-कश्मीर में भर्ती किए गए लोगों तक मैसेज पहुंचा रहे हैं। ताकि पारंपरिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निगरानी से बचा जा सके। अधिकारियों ने बताया कि इन पोर्नोग्राफी प्लेटफॉर्म पर रियल-टाइम चैट टूल मौजूद होते हैं। जो आसपास डेट (पार्टनर) ढूंढने में मदद करने के नाम पर काम करते हैं। लेकिन हैंडलर्स इनका इस्तेमाल आतंकी गतिविधि के लिए कर रहे हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

नेपाल बाढ़ में बह गया बैंक लॉकर, रु57 लाख लूटे,सेफ तोड़कर कैश निकालने के आरोप में 29 हिरासत में

काठमांडू। नेपाल में भीषण बाढ़ के दौरान भोटेकोशी इलाके

से एक बैंक का लॉकर बहकर कई किलोमीटर दूर पहुंच गया। इस लॉकर को तोड़कर उसमें रखी नकदी निकालने के आरोप में पुलिस ने 29 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक लॉकर बाढ़ में बहने के बाद धादिंग के बेलखुखोला के पास मिला था। पुलिस को सूचना मिली थी कि स्थानीय लोगों ने लॉकर तोड़कर उसके अंदर रखा कैश निकाल लिया है। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। शुरुआती तलाशी में पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों के पास से 92.68 लाख नेपाली रुपए यानी करीब 57 लाख रुपए बरामद किए। पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए ज्यादातर लोग गलछी-4 के मस्तार के रहने वाले हैं। कुछ गलछी-6 के आदमघाट और सिद्धलेक-7 के आदमतार के रहने वाले हैं। वहीं कुछ लोग मूल रूप से चितवन और परसा के हैं और फिलहाल धादिंग में रह रहे हैं। सभी की उम्र 19 से 49 साल के बीच है। पुलिस अब बरामद रकम के स्रोत की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि मामले में और लोग शामिल हैं या नहीं। महिला के शव से बालियां चुराईं, 2 गिरफ्तार-इसी दौरान नेपाल में बाढ़ से जुड़ी एक और चोरी का मामला सामने आया। नारायणी नदी में बाढ़ के पानी के साथ बहकर आए एक महिला के शव से सोने की बालियां निकालने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई की। वीडियो में दो लोग बाढ़ में बहकर आए महिला के शव से कथित तौर पर सोने की बालियां निकालते दिखाई दे रहे हैं।

नेपाल की बाढ़ में में 626 मौतें, 2426 लापता-नेपाल में 26 अगस्त को आई बाढ़ में 626 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2,426 लोग लापता हैं। शुक्रवार रात तक 1,924 लोगों के लापता होने की जानकारी थी। वहीं, 517 विदेशी नागरिक अब भी लापता हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में खोज और बचाव अभियान जारी है। ग्लेशियर धंसने के बाद आई विनाशकारी बाढ़-नेपाल के रसुवा जिले में 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी के ऊपरी क्षेत्र में ग्लेशियर धंसने और भारी मात्रा में चट्टान व मलबा नदी में गिरने के बाद अचानक भीषण बाढ़ आ गई। पानी और मलबे का तेज बहाव भोटेकोशी से होते हुए त्रिशूली नदी तक पहुंचा, जिससे रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, चितवन और आसपास के कई जिलों में भारी तबाही मच गई।

बाढ़ ने घरों, सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया, जबकि सैकड़ों लोगों की मौत हुई और हजारों लोग प्रभावित हुए।

न्यूयॉर्क में भागवत बोले- भारत के डीएनए में हैं एकता-विविधता, हम अलग होकर भी एकदूसरे से जुड़े, गलत सोच इंसान को जानवरों के करीब ले जाती है

न्यूयॉर्क। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में शनिवार रात करीब 42 मिनट स्पीच दी। उन्होंने कहा कि एकता और विविधता भारत के डीएनए में है। लोग अलग दिखते हैं, उनके रहने के तरीके हैं, लेकिन सभी के बीच एक जन्मजात जुड़ाव है। भागवत ने कहा- विविधता में एकता भारत की पारंपरिक सोच है और देश समय-समय पर पूरी दुनिया को इसका एहसास कराता रहा है। उन्होंने आगे कहा- सोचने की क्षमता इंसान के लिए एक वरदान है। सही सोच इंसान को भगवान के करीब ले जाती है, जबकि गलत सोच उसे जानवरों के करीब ले जाती है। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में 5,000 से ज्यादा भारतीय मूल के अमेरिकी शामिल हुए। इसका आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (अहेड) ने किया। कार्यक्रम में 30 देशों के 180 धार्मिक नेता पहुंचे थे। मोहन भागवत आरएसएस चीफः- लोगों के नाम, शरीर और पूजा पद्धतियां अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सभी को जोड़ने वाला सत्य एक है। आत्मा सबमें मौजूद है और हमें एक-दूसरे से जोड़ती है। भागवत के भाषण की 5 बड़ी बातेंः-1. धर्म सिर्फ

पूजा नहीं, जीवन को संतुलित रखने का नियमः भागवत ने कहा कि भारत में जिस सिद्धांत को धर्म कहा जाता है, उसे सिर्फ धर्म या पूजा के तौर पर नहीं समझना चाहिए। धर्म वह व्यवस्था है जो ब्रह्मांड और जीवन को संभालती है। यह जीवन की अलग-अलग स्थितियों के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। 2. सिर्फ भौतिक सुख से जिंदगी में संतुष्टि नहीं मिलतीः भागवत ने कहा कि पैसा, सामान और दूसरी भौतिक सुविधाएं हमेशा खुशी नहीं दे सकतीं। भौतिक सुख अस्थायी होता है और बहुत ज्यादा सुविधाएं होने के बावजूद संतुष्टि की कमी रह सकती है। 3. अमेरिका कर्मभूमि है, उसके प्रति सच्चे रहेंः अमेरिका में रहने वाले भारतीयों से भागवत ने कहा कि आपकी पहली जिम्मेदारी अपनी कर्मभूमि के प्रति है, उसके प्रति वफादार रहना चाहिए। मोहन भागवत आरएसएस चीफः- 'भारतीय प्रवासियों की पहली जिम्मेदारी कर्मभूमि के प्रति है। भारत के लिए योगदान जरूरी नहीं, लेकिन उससे मिले मूल्यों के अनुसार जीवन जीना अपेक्षित है।' 4. जीवन में सीधे संन्यास नहीं, हर पड़ाव की अपनी जिम्मेदारीः भागवत ने कहा कि इंसान के जीवन में चार चरण होते हैं- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास। पहले सीखना, फिर परिवार और समाज को संभालना और बाद में अपने अनुभव अगली पीढ़ी को देना जरूरी है। 5. व्यक्ति, समाज और पर्यावरण साथ आगे बढ़ेंः भागवत ने कहा कि प्रगति के लिए न व्यक्ति को दबाना चाहिए और न समाज को। व्यक्ति, समाज और पर्यावरण की भलाई साथ-साथ होनी चाहिए। 'भौतिक सुख गलत नहीं, आध्यात्मिक विकास भी जरूरी' भागवत ने कहा कि हिंदू दर्शन में भौतिक सुख और समृद्धि को गलत नहीं माना गया है। जीवन के चार पुरुषार्थों में अर्थ और काम को भी महत्वपूर्ण माना गया है। उन्होंने जीवन के चार पारंपरिक चरणों–ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास का भी जिक्र किया। भागवत ने कहा कि हर चरण की अपनी जिम्मेदारी होती है। पहले सीखना, फिर परिवार और समाज की जिम्मेदारियां निभाना और बाद में अपने अनुभव अगली पीढ़ी के साथ साझा करना जरूरी है।

यूक्रेन में घरों के बीच छिपे हथियार डिपो पर रूसी हमला,गोला-बारूद, बारूदी सुरंगें और ड्रोन फटे 37 की मौत, 130 घरों को नुकसान

कीव। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के पास शनिवार को एक हथियार डिपो पर ड्रोन हमला किया। हमले के बाद डिपो में रखे गोले, बारूदी सुरंगें और ड्रोन फटने लगे। धमाकों से आसपास के घरों और दूसरी इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना में कम से कम 37 लोगों की मौत हुई है, जबकि 130 घरों को नुकसान पहुंचा है। शुक्रवार देर रात हुए इस हमले के बाद शनिवार को भी घटनास्थल पर राहत और बचाव का काम जारी रहा। धमाकों में 42 लोग घायल हुए हैं, जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि हथियारों का यह भंडार रिहायशी इलाके के इतने करीब नहीं होना चाहिए था। कीव के पास मिला गांव में था हथियार डिपो-रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने कीव के पश्चिम में स्थित मिला गांव में एक हथियार डिपो को निशाना बनाया था। रूस के मुताबिक, यहां एफपी-1 और एफपी-2 लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले ड्रोन के पुर्जे और उन्हें लॉन्च करने वाले बूस्टर रखे गए थे। धमाकों से गांव के करीब 130 घर तबाह हो गए। 45 साल के स्थानीय निवासी ल्यूबोव पावलेंको का घर हथियार डिपो से करीब 200 मीटर दूर है।

उन्होंने अपने घर का नुकसान दिखाते हुए बताया कि पूरी बाहरी दीवारों पर दरारें पड़ गई हैं और खिड़कियों के आसपास भी दरारें हैं। जेलेंस्की बोले- हथियार डिपो यहां नहीं होना चाहिए था- जेलेंस्की ने मिला गांव में हथियार रखने के फैसले को गलत बताया। उन्होंने कहा कि लोगों के घरों के इतने करीब विस्फोटक सामग्री नहीं रखी जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि जांच शुरू कर दी गई है। हम पता कर रहे हैं कि रिहायशी इमारतों के पास हथियार और विस्फोटक रखने की अनुमति देना कानूनी था या नहीं। जांच में उन अधिकारियों की भूमिका भी देखी जाएगी, जिन्होंने हथियारों की तैनाती और रख-रखाव से जुड़े फैसले लिए थे। पीएम बोले- 5 साल बाद भी वही गलतियां दोहराई जा रही-पिछले महीने जुलाई में विश्नेवे में भी एक ऐसी घटना हुई थी। उस धमाके में नौ लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोग घायल हुए थे। इस घटना में 280 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा था। उस घटना की जांच में सामने आया था कि एक सरकारी कंपनी ने रिहायशी इमारतों के पास विस्फोटक सामग्री रखने से जुड़े नियमों का पालन नहीं किया था। यूक्रेन के प्रधानमंत्री सेरही कोरेत्स्की ने कहा कि विश्नेवे की घटना से मिली सीख पर अमल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि जंग के 5 साल हो जाने के बाद भी वही गलतियां बार-बार दोहराना आपराधिक लापरवाही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिम्मेदार हर व्यक्ति को, बिना किसी अपवाद के, कड़ी सजा मिलनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। यूक्रेन के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी-रूस पिछले कई दिनों से कीव और आसपास के इलाकों पर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। इसके चलते कीव में एयर रेड सायरन लगातार बज रहे हैं और यूक्रेनी सेना पर एयर डिफेंस का दबाव बढ़ गया है। कई रूसी ड्रोन जेट इंजन से चलते हैं और करीब 400 मील प्रति घंटे यानी 640 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकते हैं। यूक्रेन के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की भी भारी कमी है। ये बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में सक्षम उसकी प्रमुख एयर डिफेंस सिस्टम में शामिल हैं।

पगड़ी पहने पंजाबी युवकों को होटल में नहीं मिली एंट्री, ऑस्ट्रिया में करवाया था बुक, बोले- पैसे भी रिफंड नहीं किए, प्रबंधन ने बताया ड्रेस कोड

जालंधर। पंजाब के सिख युवकों को ऑस्ट्रिया के साल्जबर्ग शहर में स्थित कूल मामा होटल ने एंट्री नहीं दी। मोहाली में ट्रेडिंग फर्म चलाने वाले सिख युवक जसप्रीत ने दावा किया कि होटल मैनेजमेंट ने कहा कि पगड़ी वाले यहां नहीं रह सकते। उन्होंने 27 अगस्त को होटल की ऑनलाइन बुकिंग कराई थी।जब निकालने का कारण पूछा तो बताया गया कि होटल का ड्रेस कोड है, यहां पगड़ी की इजाजत नहीं है। इनसे रिफंड मांगा तो पैसा रिफंड नहीं किया गया। जसप्रीत ने इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। होटल मैनजमेंट ने कहा कि बुकिंग से पहले ही हमने अपनी वेबसाइट पर मेंशन किया है कि पगड़ी वालों के लिए होटल, रेस्टोरेंट और बार बुक नहीं होगा। 5 पॉइंट में जानें जसप्रीत ने क्या कहा.-पूरी यात्रा का मजा खराब कर दियाः जसप्रीत ने 27 अगस्त को वीडियो शेयर किया। उन्होंने बताया कि हम इस समय ऑस्ट्रिया के साल्जबर्ग शहर में मौजूद हैं और यहां कूल मामा नाम के होटल में ठहरने के लिए पहुंचे थे। यहां हमारे साथ जो व्यवहार हुआ है, उसने पूरी यात्रा का मजा खराब कर दिया है। एक पर्यटक के तौर पर किसी खूबसूरत

शहर में आकर ऐसी स्थिति का सामना करना निराशाजनक है। होटल मैनेजमेंट मेहमानों के साथ अजीब और अपमानजनक रवैया अपना रहा है, जिससे किसी भी यात्री का मन दुखी होना स्वाभाविक है। पगड़ी देखने के बाद एंट्री से रोक दिया गयाः होटल के रेस्टोरेंट में जाने पर हमें साफ कह दिया गया कि यहां पगड़ी (दस्तार) पहनकर आना अलाउड नहीं है। जब हमने इस बात का विरोध किया और कहा कि यह हमारी धार्मिक पहचान है, तो उन्होंने सही ढंग से जवाब नहीं दिया। होटल कर्मचारियों का कहना था कि यह उनके रेस्टोरेंट का नियम और ड्रेस कोड है, जो इंटरनेट पर पहले से लिखा हुआ है। वे अपनी इस अजीबोगरीब शर्त पर अड़े रहे और हमें रेस्टोरेंट से बाहर कर दिया। रिफंड देने से भी मना कियाः जब हमें रेस्टोरेंट में एंट्री नहीं दी, तो हमने अपनी बुकिंग रद्द करके रिफंड की मांग की। इस पर होटल मैनेजमेंट ने साफ तौर पर मना कर दिया कि वे एक भी पैसा वापस नहीं करेंगे। हमने उनसे कहा कि रिफंड आप अपने पास ही रख लो, हमें पैसों का कोई चक्कर या लालच नहीं है। हमारे लिए पैसों से ज्यादा बड़ा पगड़ी का सम्मान है। दुनिया भर के सफर में पहली बार ऐसा व्यवहारः मैं इससे पहले दुनिया के बहुत से देश घूम चुका हूं। मैं स्विट्जरलैंड गया हूं, जर्मनी गया हूं और यूरोप के कई अन्य हिस्सों की यात्रा कर चुका हूं, लेकिन आज तक कहीं भी ऐसा सिस्टम देखने को नहीं मिला कि किसी ने पगड़ी पर पाबंदी लगाई हो। हर जगह धार्मिक पहचान का सम्मान किया जाता है। पर यहां रेस्टोरेंट तो दूर, पूरे होटल के माहौल में पगड़ी को लेकर पाबंदी दिखाई गई। यह कोई मामूली नियम नहीं, बल्कि प्योर रेसिज्म है। साल्जबर्ग के इस होटल में न रुकने की अपीलः जसप्रीत ने कहा कि यह एक ऐसा वाकया है जो किसी भी पगड़ीधारी या सम्मानजनक पर्यटक के साथ नहीं होना चाहिए।

शनिवार को लखनऊ में स्वाइन फ्लू से पहली मौत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। शनिवार को लखनऊ में स्वाइन फ्लू से पहली मौत के बाद राज्य अलर्ट मोड पर आ गया है। उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य भवन से प्रदेश के सभी 75 जिलों के सीएमओ, मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों और मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। बैठक में सभी अस्पतालों को आइसोलेशन वार्ड तैयार रखने, एंटीवायरल दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और ओपीडी में आने वाले गंभीर सांस के मरीजों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शुरुआती लक्षण दिखते ही चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है।

छोटे से गांव की मुस्कान सेन बनी एक मिशाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) भोपाल। जीत और हारः जीत आपको खुशी देती है, और हार आपको सिखाती है। मैदान पर डरना मत, बस अपना सौ प्रतिशत देना। मेहनत की ताकतः पसीने की हर एक बूंद आपके सपनों को सच करती है। असली खिलाड़ी वह है जो गिरने के बाद फिर से उठता है। मैदान पर तब तक लड़ो जब तक आखिरी सीटी न बज जाए। पहला कदमः डर को खुद पर हावी मत होने दो। शुरुआत करने के लिए आपको महान होना जरूरी नहीं है, बल्कि महान बनने के लिए शुरुआत करनी होगी।

कारागार में निरूद्ध बंदी भाईयों/बहनों से लगभग 1110 बहनें/भाई एवं उनके साथ 377 बच्चे मुलाकात एवं रक्षा-सूत्र बाँधने हेतु कारागार पर आये

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बीते शुक्रवार को को रक्षाबन्धन का पावन पर्व जिला कारागार प्रयागराज पर अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कारागार में निरूद्ध बंदी भाईयों / बहनों से आठ शिफ्टों में लगभग 1110 बहनें/भाई एवं उनके साथ 377 बच्चे मुलाकात एवं रक्षा-सूत्र बाँधने हेतु कारागार पर आये। कारागार प्रशासन द्वारा कारागार एवं मुलाकातियों की समुचित सुरक्षा / प्रबन्ध व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए मुलाकातियों को बैठने हेतु समुचित स्थल, शुद्ध पेयजल एवं चिकित्सा आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायी गयी तथा रक्षाबन्धन के पावन पर्व पर कारागार में निरूद्ध बंदी भाईयों/ बहनों से उनकी बहनों/भाईयों से नियमानुसार मुलाकात करायी गयी। कारागार पर आने वाली मुलाकाती बहनों के लिए कारागार प्रशासन की ओर से भी रक्षा-सूत्र, हल्दी, रोली व मिठाई आदि की व्यवस्था करायी गयी। रक्षाबन्धन का पावन पर्व कारागार में निरूद्ध बंदी भाईयों एवं उनकी बहनों द्वारा अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला कारागार प्रयागराज पर रक्षाबन्धन का पवित्र पर्व मनाये जाने हेतु कारागार में निरूद्ध बंदी भाईयों/बहनों से उनके बहनों / भाईयों से मुलाकात वरिष्ठ जेल अधीक्षक श्रीमती अमिता दुबे के कुशल नेतृत्व में जेलर श्री अनिल कुमार विश्वकर्मा, चिकित्साधिकारी डा0 राजित राम यादव, उप जेलर सुश्री अभिलाषा, उप जेलर श्री शिखर, उप जेलर श्री सौरभ सिंह यादव, उप जेलर श्री विजय प्रसाद, उप जेलर श्री अमर सिंह, फार्मासिस्ट श्री गिरीश चन्द्र मिश्र, फार्मासिस्ट श्री भूपेन्द्र कुमार पाण्डेय एवं कारागार के अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया।

प्रतापगढ़ में मेजर ध्यानचंद जयंती पर एमडब्ल्यूओ का रक्तदान शिविर, 15 लोगों ने किया रक्तदान

मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न सम्मान से नवाजे केंद्र सरकार - घनश्याम शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रतापगढ़/प्रयागराज। शनिवार को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की 121वीं जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के पावन अवसर पर महापदमनंद वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन (एम डब्ल्यू ओ) जिला इकाई प्रतापगढ़ द्वारा जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुरेन्द्र शर्मा, समीक्षा अधिकारी, उत्तर प्रदेश शासन, सचिवालय लखनऊ ने फीता काटकर किया। उन्होंने एम डब्ल्यू ओ जिला कमेटी के इस पुनीत प्रयास की सराहना करते हुए सभी रक्तदाताओं का अभिनंदन किया और संगठन को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष घनश्याम शर्मा एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी प्रतापगढ़ रंजीत कुमार शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रांतीय अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने रक्तदान के शारीरिक एवं सामाजिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से मेजर ध्यानचंद जी से प्रेरणा लेकर सदैव स्वस्थ व फिट रहने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने भारत सरकार से मेजर ध्यानचंद को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने की पुरजोर मांग उठाई। कार्यक्रम के अंत में जिला अध्यक्ष सचिन शर्मा ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों, समाजसेवियों एवं जिला, तहसील व ब्लॉक कमेटी के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस शिविर में रक्तदान करने वालों में प्रमोद कुमार शर्मा, सुनील शर्मा, अनिल कुमार शर्मा, प्रमोद कुमार दहिला मऊ, राजेश सिंह भोले, अखिलेश सिंह, इस्तखार अहमद उर्फ अनीश सलमानी, विनय कुमार, पंकज शर्मा, सचिन शर्मा, राजेश शर्मा, उदय प्रताप वर्मा, अविनाश शर्मा, पिंटू शर्मा, योगेंद्र कुमार शर्मा उर्फ बच्चा आदि 15 लोगों ने रक्तदान किया। प्रशिक्षण में 6 लोग अपूर्ण पाए गए। इस अवसर पर रामचंद्र शर्मा, माताफेर शर्मा, जनार्दन शर्मा, ठाकुर प्रसाद शर्मा, रंजीत शर्मा, संतोष शर्मा, श्यामू शर्मा, राहुल शर्मा, दुर्गेश शर्मा, अरविंद शर्मा, अवध बिहारी शर्मा, अश्वनी शर्मा, धीरज शर्मा, कुशाग्र शर्मा, सुरेश कुमार शर्मा आदि उपस्थित रहे। ब्लड संग्रह करने में डॉक्टर यशब्बो, पवन नंदन भट्ट, आशिक अली, पवन मिश्रा, सौरभ शुक्ला आदि ने कुशलतापूर्वक ब्लड संग्रह किया।

बलिया में बाढ़ के बीच पहुंचे सीएम योगी, हवाई सर्वेक्षण कर जाना हाल, मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बलिया। शनिवार को बाढ़ की विभीषिका के बीच शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बलिया पहुंचे और सरयू व गंगा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर हालात का जायजा लिया। हेलीकॉप्टर से दोपहर करीब डेढ़ बजे पहुंचे मुख्यमंत्री ने बलिया सदर, बांसडीह और बैरिया तहसील क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति देखी। इसके बाद वह बांसडीह विधानसभा क्षेत्र के सहतवार के पकंहा गांव स्थित गलाफरपुर मौजे पहुंचे, जहां बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और करीब 50 पीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ की इस कठिन घड़ी में भाजपा सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ितों के साथ खड़ी है। प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवार को 50 किलो की राशन किट उपलब्ध कराई जा रही है और राहत पहुंचाने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और जरूरतमंदों तक समय से मदद पहुंचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता इस समय बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि वह पहले बलिया में मेडिकल कालेज के शिलान्यास के लिए आने वाले थे, लेकिन बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कार्यक्रम बदलकर सबसे पहले पीड़ितों के बीच पहुंचना उचित समझा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पूर्ववर्ती सपा सरकार पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासनकाल में बाढ़ पीड़ितों को पर्याप्त राहत नहीं मिलती थी और राहत सामग्री में लूट होती थी। उन्होंने कहा कि उस समय प्रदेश में गुंडों और माफिया को बढ़ावा मिला और 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' जैसी स्थिति थी, जबकि भाजपा सरकार 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कालेज' की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बलिया में भी मेडिकल कालेज का शिलान्यास जल्द किया जाएगा। उन्होंने कानून-व्यवस्था को लेकर कहा कि भाजपा सरकार में माफिया के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हुई है और प्रदेश में अपराधियों की कमर टूट चुकी है। उन्होंने कहा कि बेटियों, व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है तथा अपराध और माफिया के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में कानून का राज है और किसी भी अपराधी को संरक्षण नहीं दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रशासन ने राहत वितरण के लिए पहले से पीड़ितों की सूची तैयार की थी। करीब ढाई घंटे के जिले के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने के साथ पीड़ितों से संवाद किया और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे बलिया से रवाना हो गए।

देवरिया में सीएम योगी का सपा पर हमला! सीएम योगी बोले-एक परिवार के पांच सांसदों, वाले दल का भी जनता पार्टी जैसा हाल होगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) देवरिया। शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अब माफिया राज का दौर पूरी तरह खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बनने वालों के लिए जेल या नर्क ही जगह है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी प्रदेश में 'एक जिला, एक माफिया' की चर्चा होती थी, लेकिन अब 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' का दौर है। उन्होंने देवरिया और कुशीनगर में मेडिकल कॉलेज खोले जाने को विकास की बड़ी उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर एन्सेफलाइटिस और माफिया राज को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एन्सेफलाइटिस केवल बीमारी नहीं, बल्कि एक बीमार सोच का परिणाम थी। योगी ने आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस की सरकारों ने इस गंभीर समस्या को लेकर संवेदनशीलता नहीं दिखाई। उन्होंने दावा किया कि चार दशक से अधिक समय में इस बीमारी ने 50 हजार से ज्यादा मासूमों की जान ली। मुख्यमंत्री के मुताबिक पिछली सरकारों के अधिकारी भी इस संकट के प्रति बेपरवाह बने रहे और पीड़ित परिवारों की सुध लेने के लिए तत्कालीन सरकारों के मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री तक नहीं पहुंचे। योगी ने कहा कि उस समय प्रदेश में माफिया का समानांतर शासन चलता था और गरीब तथा पीड़ित व्यक्ति खुद को असहाय महसूस करता था। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद इस तस्वीर को बदल दिया। आज उत्तर प्रदेश की पहचान बीमारू राज्य के रूप में नहीं, बल्कि सम्मानजनक और विकासशील प्रदेश के तौर पर है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने माफिया की कमर पूरी तरह तोड़ दी है और कानून-व्यवस्था के मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 26 तारीख को निशुल्क बस यात्रा योजना शुरू होते ही सपा का 'बबुआ' नींद से जाग गया। योगी ने कटाक्ष किया कि हड़बड़ी में प्रेस वार्ता तो बुला ली गई, लेकिन कहने के लिए कुछ समझ नहीं आया। उन्होंने सपा नेतृत्व की कार्यशैली पर तंज कसते हुए कहा कि उनका 'बबुआ' दोपहर में उठता है। मुख्यमंत्री ने सपा पर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के गंभीर आरोप लगाते हुए लखनऊ स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर यानी जेपीएनआईसी का उदाहरण दिया। योगी के मुताबिक इस परियोजना की शुरुआती अनुमानित लागत करीब 200 करोड़ रुपये थी, लेकिन सपा सरकार के दौरान इस पर 864 करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए। उन्होंने कहा कि इतना पैसा खर्च होने के बाद भी परियोजना अधूरी रह गई। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सपा की योजना सरकारी खजाने से और बड़ी रकम खर्च कराने की थी। उनके अनुसार करीब 900 से 1000 करोड़ रुपये खर्च कर परियोजना को एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से संचालित कराने की तैयारी थी। योगी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी खुद भी एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह काम करती है और इसे बड़े घोटाले की तैयारी बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता अब ऐसे राजनीतिक तौर-तरीकों को अच्छी तरह समझ चुकी है। उन्होंने सपा के परिवारवाद पर भी हमला बोला और कहा कि एक परिवार के पांच सांसदों वाले दल का भी जनता पार्टी जैसा हाल होना तय है। उन्होंने दावा किया कि जनता अब परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति को स्वीकार करने वाली नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार विकास, सुरक्षा और सुशासन के एजेंडे पर काम कर रही है। उनके अनुसार प्रदेश में मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का विस्तार तेजी से हुआ है। योगी ने एन्सेफलाइटिस के खिलाफ सरकार की कार्रवाई को भी बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि जिस तरह माफिया पर प्रभावी कार्रवाई की गई, उसी तरह गंभीर बीमारियों पर भी निर्णायक प्रहार किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में कानून का राज है और अपराधियों के लिए कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं है। उन्होंने कहा कि बेटियों, व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। योगी ने विपक्ष पर विकास के बजाय परिवार और स्वार्थ की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जनता अब उत्तर प्रदेश को नए नजरिए से देख रही है और प्रदेश विकास तथा सुशासन की नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है।

नेताजी के संघर्ष पर तंज कसने वालों को पहले अपना राजनीतिक कद देखना चाहिएः डॉ. शशिकांत शमा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव डॉ. शशिकांत शर्मा ने भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर द्वारा समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव को लेकर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव के संघर्ष और राजनीतिक कद पर टिप्पणी करने से पहले हर व्यक्ति को अपने राजनीतिक जीवन और जनता के बीच किए गए कार्यों का आकलन करना चाहिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि मुलायम सिंह यादव का नाम लेना आसान है, लेकिन उनके जैसा संघर्ष करना हर किसी के बस की बात नहीं है। नेताजी ने जमीन से उठकर राजनीति की शुरुआत की और गांव, गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े, नौजवान तथा आम जनता के बीच रहकर अपना राजनीतिक आधार तैयार किया। अपने लंबे संघर्ष और जनसमर्थन के बल पर उन्होंने उत्तर प्रदेश की राजनीति में ऐसी पहचान बनाई, जिसे किसी व्यक्ति की बयानबाजी से छोटा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों की आवाज को राजनीतिक मंच पर मजबूती से उठाया। उनके संघर्ष का मजाक उड़ाना सिर्फ एक नेता का अपमान नहीं, बल्कि उन तमाम मेहनतकश लोगों का भी अपमान है, जिन्होंने अपनी मेहनत और संघर्ष के दम पर जीवन में मुकाम हासिल किया है। नंदकिशोर गुर्जर के बयान पर कटाक्ष करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि नेताजी मुख्यमंत्री नहीं बनते तो क्या करते, इसका जवाब देने की जरूरत किसी और को नहीं है। उन्होंने अपने जीवन में संघर्ष किया और जनता ने उन्हें बार-बार अपना नेता चुना। उन्होंने कहा कि कोई भी मेहनत का काम छोटा नहीं होता, लेकिन किसी मेहनतकश के पेशे को राजनीतिक ताने के रूप में इस्तेमाल करना निश्चित रूप से सोच के स्तर को दर्शाता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने साइकिल को महज चुनाव चिन्ह नहीं रहने दिया, बल्कि उसे गांव, गरीब, किसान, मजदूर और आम आदमी की आवाज का प्रतीक बना दिया। उन्होंने अपने संघर्ष के बल पर उत्तर प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान बनाया और तीन बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। इसके अलावा केंद्र की राजनीति में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सपा प्रदेश सचिव ने कहा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है और राजनीतिक दलों के बीच नीतियों को लेकर बहस भी होनी चाहिए, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों के जरिए किसी वरिष्ठ नेता के संघर्ष और योगदान को अपमानित करना स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा नहीं है। उन्होंने भाजपा नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि बयानबाजी और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप के बजाय जनता से जुड़े मुद्दों पर अपनी उपलब्धियां और नीतियां सामने रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दूसरों के संघर्ष पर तंज कसने से किसी का राजनीतिक कद बड़ा नहीं होता। मुलायम सिंह यादव ने अपना कद सुर्खियों या बयानों से नहीं, बल्कि दशकों तक जनता के बीच रहकर संघर्ष करने से बनाया था। डॉ. शर्मा ने कहा कि मुलायम सिंह यादव का राजनीतिक योगदान किसी व्यक्ति के बयान का मोहताज नहीं है। सामाजिक न्याय की राजनीति, आम जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता और दशकों का उनका संघर्ष इतिहास का हिस्सा है। उन्होंने कहा, 'नेताजी इतिहास में दर्ज हैं और इतिहास बयानबाजी से नहीं मिटता। बेहतर होगा कि नंदकिशोर गुर्जर जी नेताजी के संघर्ष पर टिप्पणी करने के बजाय अपने राजनीतिक काम का हिसाब जनता के सामने रखें। बड़े नेताओं पर तंज कसने से कोई बड़ा नहीं होता, कई बार ऐसे बयानों से बयान देने वाले का राजनीतिक कद ही छोटा दिखाई देने लगता है।'

लखनऊ मण्डल की जूनियर बालक कबड्डी टीम के गठन हेतु चयन ट्रायल्स 30 अगस्त व 1 सितम्बर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को क्रीड़ाधिकारी धीरेंद्र कुमार पुरुषोत्तम ने बताया कि खेल निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ के अनुपालन में प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन अयोध्या में 07 से 09 सितम्बर 2026 तक किया जाना निर्धारित है। प्रतियोगिता में लखनऊ मण्डल की टीम प्रतिभाग करेगी। टीम के गठन हेतु जिला एवं मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल्स निर्धारित किए गए हैं। जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स का आयोजन 30 अगस्त 2026 को दोपहर 02:00 बजे जिला खेल कार्यालय स्टेडियम, रायबरेली में किया जाएगा। वहीं मण्डलीय ट्रायल्स 01 सितम्बर 2026 को प्रातः 09:00 बजे के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में आयोजित होंगे। क्रीड़ाधिकारी ने बताया कि जूनियर बालक वर्ग के लिए खिलाड़ी की जन्मतिथि 01.01.2027 निर्धारित मानक के अनुसार होनी चाहिए। चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करने वाले प्रत्येक खिलाड़ी के लिए सक्षम स्तर से निर्गत एवं प्रमाणित पात्रता प्रमाण-पत्र एवं जन्म प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। पात्रता प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी खिलाड़ी को चयन प्रक्रिया में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रत्येक खिलाड़ी को अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा जारी पात्रता प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। प्रमाण-पत्र पर खिलाड़ी का फोटो चिपका हुआ एवं प्रधानाचार्य द्वारा सत्यापित होना चाहिए। साथ ही जन्मतिथि अंकों एवं शब्दों दोनों में अंकित होने के साथ प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर एवं विद्यालय की मुहर लगी होना अनिवार्य है।

यूपी की चर्चित आईएएस दिव्या मित्तल ने इस्तीफा दिया, 4 महीने से साइडलाइन थीं, अफसर पति भी इस्तीफा दे चुके हैं

लखनऊ। यूपी की चर्चित आईएएस दिव्या मित्तल (43) ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। अभी वह लखनऊ में राजस्व विभाग में विशेष सचिव थीं। दिव्या ने मुख्य सचिव एसपी गोयल को इस्तीफा भेज दिया। रविवार सुबह उन्होंने फेसबुक-इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। दिव्या मित्तल का अचानक इस्तीफा ब्यूरोक्रेसी में सुर्खियों में है। इस्तीफा क्यों दिया, यह स्पष्ट नहीं है। चर्चा है कि 4 महीने से वह साइडलाइन थीं। फील्ड पोस्टिंग चाहती थीं। 2013 बैच की दिव्या 13 साल से नौकरी कर रही थीं। अभी उनकी 17 साल की नौकरी बची थी। आईआईटी दिल्ली से बीटेक और आईआईएम बेंगलुरु से एमबीए की डिग्री लेने के बाद लंदन में नौकरी की। लाखों रुपए की नौकरी छोड़कर वह वापस आईं। दो साल में दो बार यूपीएसपी क्लीयर किया। पहली बार में आईपीएस बनीं। फिर अगले साल आईएएस बन गईं। दिव्या के पति गगनदीप सिंह भी 2011 बैच के भारतीय व्यापार सेवा (आईटीएस) अफसर हैं।

2022 में वह भी अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं।

गगनदीप ने अपनी एक कंपनी 'न्यूरोकैप' बनाई है। यह कंपनी देश-विदेश से ट्रेडिंग का काम करती है।

पीटीएम में विद्यार्थियों की प्रगति पर हुई सार्थक चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को माँ वैष्णो मॉडर्न पब्लिक स्कूल के परिसर

में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ विद्यालय पहुंचे और अपने परीक्षा परिणाम देखकर उत्साहित नजर आए।शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, उपलब्धियों एवं कमियों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही कमजोर क्षेत्रों में सुधार के लिए नियमित अध्ययन, अभ्यास एवं समय-प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। विद्यालय के प्रबंधक रमाशंकर दुबे ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए विद्यालय और अभिभावकों का आपसी सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को निरंतर प्रोत्साहित करने की अपील की। प्रधानाचार्य सत्य देव कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पीटीएम विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा देना विद्यालय की प्राथमिकता है तथा कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यक्रम सकारात्मक एवं संवादपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

बस्ती पुलिस अफसरों पर उठे गंभीर सवाल..!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बस्ती। शनिवार को जनपद बस्ती

में महिला कांस्टेबल की मौत के बाद पुलिस विभाग पर गंभीर सवाल उठे हैं। मृतका का पति भी पुलिस विभाग में सिपाही है। पति का आरोप है कि पत्नी के इलाज के लिए उसने अपने वरिष्ठ अधिकारियों से छुट्टी मांगी थी, लेकिन उसे छुट्टी नहीं मिली। पत्नी की मौत के बाद पति ने पीएम हाउस पर हंगामा करते हुए विभागीय व्यवस्था और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

अब सवाल है-क्या समय पर छुट्टी मिल जाती, तो हालात कुछ और होते?

पति द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।

अप्रेंटिस मेला आज 31 अगस्त 2026 को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज मे दिनांक 31 अगस्त 2026

समय 10:00 बजे अप्रेंटिस मेले का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। जिसमे न्यूएन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड वडोदरा गुजरात प्रतिभाग कर रही हैं। हाई स्कूल के साथ आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों जिनकी आयु 18 से 28 वर्ष किसी भी व्यवसाय से आईटीआई पास प्रशिक्षार्थी साक्षात्कार हेतु सुबह 10:00 बजे से शाय 4:00 बजे तक प्रतिभाग कर सकते हैं। सुविधायें आवास, चाय नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि का भोजन, बिजली, कपड़े की धुलाई, रूम की सफाई, बेड, पर्सनल लॉकर एवं सारी सुविधा कंपनी की तरफ से फ्री में उपलब्ध होगी । हॉस्टल से कम्पनी तक जाने के लिए बस की सुविधा फ्री। अतिरिक्त सुविधा 3 वर्ष का इंजीनियरिंग डिप्लोमा कराया जाएगा जिसका पूरा खर्चा कंपनी की तरफ से होगा। डिप्लोमा केजेआईटी यूनिवर्सिटी सावली बड़ोदरा से कराया जाएगा, कम्पनी से कॉलेज तक जाने के लिए बस की सुविधा फ्री (शनिवार व रविवार कॉलेज क्लास) के लिए। जिसमें निम्नांकित कागजात की आवश्यकता है। हाई स्कूल, आईटीआई मार्कशीट, आधार कार्ड पैन कार्ड मूल एवं फोटोकोपी पासपोर्ट साइज दो फोटो बायोडाटा के साथ संस्थान में साक्षात्कार है समय से उपस्थिति होना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी हेतु राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज (अप्रेंटिस सेल) में संपर्क कर सकते हैं।स्टाइपेंड- कर दी जाएगी। रु12,000 रुपए एक वर्ष तक उसके बाद दूसरे वर्ष जॉब रोल पर रु19,500-, नोट- 1- सभी अभ्यार्थियों को मूल प्रमाण पत्र व छाया प्रति ले आना अनिवार्य है। 2-आईटीआई पास अभ्यर्थियों का एनएपीएस पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है।https://www.apprenticeshipindia.gov.in/

प्रेम-प्रसंग में पति की हत्या की घटना का 24 घंटे के अंदर सफल अनावरण,पत्नी, प्रेमी सहित 04 अभियुक्त गिरफ्तार

हत्या के बाद शव को सड़क किनारे ले जाकर सड़क दुर्घटना का रूप देने का किया गया था प्रयास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान

के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना शक्तिनगर श्री सत्येन्द्र कुमार राय के कुशल नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा संदिग्ध सड़क दुर्घटना के रूप में सामने आई हत्या की घटना का महज 24 घंटे के अंदर सफल अनावरण करते हुए पत्नी, उसके प्रेमी सहित 04 अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया है।घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 23.08.2026 को थाना शक्तिनगर क्षेत्रान्तर्गत बीना स्टेडियम/जमशीला के पास रमाशंकर मिश्रा पुत्र रामयश मिश्रा, निवासी बीना कॉलोनी, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, जो एनसीएल बीना में सीनियर ओवरमैन के पद पर कार्यरत थे, का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे पाया गया था। प्रारम्भ में घटना सड़क दुर्घटना प्रतीत हो रही थी, किन्तु घटनास्थल की परिस्थितियां संदिग्ध पाए जाने पर थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा तत्काल गहनता से जांच प्रारम्भ की गई। उक्त संबंध में मु0अ0सं0 162/2026 धारा 103(2)/238 बीएनएस, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र में अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा घटनास्थल की परिस्थितियों, तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल, लोकेशन एवं अन्य उपलब्ध साक्ष्यों का गहन परीक्षण करते हुए घटना की प्रत्येक कड़ी को जोड़ा गया। पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी विवेचनात्मक कार्रवाई के परिणामस्वरूप मुकदमा पंजीकृत होने के 24 घंटे के अंदर ही घटना का सफल अनावरण किया गया। कृत कार्यवाही- जांच के दौरान प्रकाश में आया कि मृतक की पत्नी प्रियंका मिश्रा का विकास चौहान के साथ काफी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दिनांक 22.08.2026 को मृतक द्वारा अपनी पत्नी प्रियंका मिश्रा एवं विकास चौहान को घर पर देख लिया गया, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। विवाद के दौरान प्रियंका मिश्रा एवं विकास चौहान द्वारा रमाशंकर मिश्रा का गला दबाकर एवं पत्थर के फर्श पर सिर पटककर गंभीर चोटें पहुंचाई गईं, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। हत्या के उपरांत घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने के उद्देश्य से दिनांक 22.08.2026 की रात्रि में विकास चौहान द्वारा अपने सहयोगी अनुराग सिंह उर्फ बादल एवं सोनू गुप्ता के सहयोग से मृतक के शव को चादर एवं गमछे में लपेटकर सड़क किनारे ले जाकर लिटाया गया तथा वाहन से चोट पहुंचाकर घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया। थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त चारों अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्तगण से पूछताछ एवं अब तक की विवेचना में यह तथ्य प्रकाश में आया कि मृतक रमाशंकर मिश्रा की पत्नी प्रियंका मिश्रा एवं विकास चौहान के मध्य प्रेम-प्रसंग था। दिनांक 22.08.2026 को मृतक द्वारा दोनों को घर पर देख लिए जाने के बाद विवाद हुआ, जिसके दौरान दोनों द्वारा रमाशंकर मिश्रा के साथ गला दबाकर एवं पत्थर के फर्श पर सिर पटककर गंभीर चोटें पहुंचाई गईं, जिससे उसकी मृत्यु हो गई।घटना को छिपाने एवं पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से रात्रि में विकास चौहान ने अनुराग सिंह उर्फ बादल एवं सोनू गुप्ता के सहयोग से शव को सड़क किनारे ले जाकर वाहन से चोट पहुंचाते हुए घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण- 1. विकास चौहान पुत्र यदुनंदन चौहान, निवासी श-10, बीना कॉलोनी, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 25 वर्ष। 2. प्रियंका मिश्रा पत्नी स्व0 रमाशंकर मिश्रा, निवासी ँ-264, बीना कॉलोनी, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 35 वर्ष। 3. अनुराग सिंह उर्फ बादल पुत्र ध्रुव कुमार सिंह, निवासी एम-246, बीना कॉलोनी, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 18 वर्ष। 4. सोनू गुप्ता पुत्र सुभाष गुप्ता, निवासी जमशीला, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तार/अनावरण करने वाली पुलिस टीम- 1. प्र0नि0 श्री सत्येन्द्र कुमार राय, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी चौकी बीना, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र। 3. का0 सत्यम सरोज, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र। 4. का0 अरुण कुमार, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र। 5. का0 अमन सिंह, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र। 6. का0 अमृत लाल, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र। घटना के सफल एवं त्वरित अनावरण से आमजनमानस एवं एनसीएल के कर्मचारियों में सोनभद्र पुलिस के प्रति विश्वास एवं सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हुई है।

एडिटर्स क्लब ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ अग्निहोत्री का कार्यालय पर मनाया गया जन्मदिन,वरिष्ठ पत्रकारों एवं पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं, संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का लिया संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शनिवार को एडिटर्स

क्लब ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री जी का जन्मदिन आज क्लब के कार्यालय में आत्मीय एवं गरिमापूर्ण माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं पत्रकारों ने केक काटकर राष्ट्रीय अध्यक्ष को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, दीर्घायु और सफल जीवन की कामना की। समारोह में एडिटर्स क्लब ऑफ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय गिरि, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सुनील कौशिक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरविन्द सिंह, आलोक द्विवेदी, मनोज डूमरा एवं डॉ. मुहम्मद आजाद, कोषाध्यक्ष सतेंद्र भाटी, सचिव आशिफ एकबाल एवं विवेक पाठक, देश पक्ष के संपादक संजय राना, आईयुवा के अध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह तथा एडवाइजरी विंग के चेयरपर्सन अनुराग वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं पत्रकार उपस्थित रहे। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने कहा कि अमिताभ अग्निहोत्री के नेतृत्व में एडिटर्स क्लब ऑफ इंडिया देशभर के संपादकों और पत्रकारों को एक मजबूत मंच पर जोड़ने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। क्लब पत्रकारिता की स्वतंत्रता, गरिमा, विश्वसनीयता और पत्रकारों के हितों के लिए एकजुट होकर कार्य करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सुनील कौशिक ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अमिताभ अग्निहोत्री का नेतृत्व संगठन के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय एडिटर्स क्लब ऑफ इंडिया के विस्तार और मजबूत संगठनात्मक ढांचे का समय है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ अग्निहोत्री जी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जन्मदिन उनके लिए व्यक्तिगत खुशी से अधिक संगठन के साथियों के स्नेह और विश्वास का अवसर है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

75 वर्षीय बुजुर्ग के छलांग लगाने की सूचना से हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शहीद चंद्रशेखर आजाद सेतु (फाफामऊ पुल) से करीब 75 वर्षीय बुजुर्ग के छलांग लगाने की सूचना से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि रामचंद्र मौर्य, निवासी दरियाबाद, कीडगंज, लंबे समय से बीमारी से परेशान चल रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही 4ूँ-ईंण् प्रयागराज की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने तत्परता दिखाते हुए कड़ी

मशक्कत के बाद बुजुर्ग रामचंद्र मौर्य को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में प्रभारी राजेश पांडेय, हवलदार चंद्रमोहन सरोज, सिपाही दिनेश पाल, सिपाही दीपू मौर्या और सिपाही धर्मपाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम की तत्परता और सूझबूझ के चलते बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना के संबंध में संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

Operation Conviction : सोनभद्र पुलिस की प्रभावी पैरवी से दहेज हत्या के अभियोग में 03 अभियुक्त दोषसिद्ध, माननीय न्यायालय द्वारा 10 वर्ष के कारावास एवं कुल रु45,000/- अर्थदण्ड से किया गया दण्डित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी के निर्देशन, श्रीमान पुलिस उपमहानिरीक्षक, विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मिर्जापुर के कुशल पर्यवेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्माङ के नेतृत्व में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे ‘ध्र्ज़ूग्दह ण्दहन्न्म-ग्दह’ अभियान के क्रम में सोनभद्र पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। सोनभद्र पुलिस द्वारा प्रभावी विवेचना, सुदृढ़ साक्ष्य संकलन एवं अभियोजन पक्ष की प्रभावी न्यायालयीन पैरवी के फलस्वरूप थाना दुद्धी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 44/2017, धारा 498ए, 304बी भादवि एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम से सम्बन्धित अभियोग में माननीय न्यायालय द्वारा 03 अभियुक्तों को दोषसिद्ध करते हुए विभिन्न धाराओं में सजा एवं कुल रु45,000/- अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियुक्तगण की सभी सजायें साथ-साथ चलेंगी। प्रकरण का विवरण- थाना - दुद्धी, जनपद सोनभद्र मु0अ0सं0 - 44/2017, एसटी संख्या - 50/2017, धारा - 498ए, 304बी भादवि एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम- दोषसिद्ध अभियुक्तगण का विवरण- 1. मनोज पाठक पुत्र भगवान पाठक, 2. भगवान पाठक पुत्र स्व0 जगधारी पाठक, 3. विमला देवी पत्नी भगवान पाठक निवासीगण - मनबसा, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। दिनांक 29.08.2026 को माननीय न्यायालय द्वारा पारित निर्णय-माननीय न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध तीनों अभियुक्तगण को–1. धारा 498ए भादवि के आरोप में प्रत्येक को 03 वर्ष के कारावास एवं रु10,000/- अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। 2. धारा 304बी भादवि के आरोप में प्रत्येक को 10 वर्ष के कारावास एवं रु30,000/- अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। 3. धारा 4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के आरोप में प्रत्येक को 02 वर्ष के कारावास एवं रु5,000/- अर्थदण्ड से दण्डित किया गया अभियुक्तगण की उपरोक्त सभी सजायें साथ-साथ चलेंगी। सजा दिलाने में सराहनीय भूमिका-उक्त अभियोग में सोनभद्र पुलिस द्वारा की गई प्रभावी विवेचना, साक्ष्यों का सुदृढ़ संकलन, अभियोजन अधिकारी द्वारा की गई प्रभावी न्यायालयीन पैरवी, कोर्ट मोहर्रिर के समन्वय तथा जनपद मॉनिटरिंग सेल द्वारा की गई सतत निगरानी एवं प्रभावी अनुश्रवण के परिणामस्वरूप 03 अभियुक्तों को दोषसिद्ध कराते हुए माननीय न्यायालय से प्रभावी सजा सुनिश्चित कराई गई।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर रायबरेली में 14 वर्षीय बालक हॉकी प्रतियोगिता आयोजित, वैदिक इंटर कॉलेज बना विजेता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को खेल निदेशालय, उ.प्र. लखनऊ के निर्देशानुसार जिला खेल कार्यालय रायबरेली के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 14 वर्षीय बालक हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्टेडियम रायबरेली, खेलो इंडिया हॉकी सेंटर रायबरेली, सदर रायबरेली, हरचन्दपुर ब्लॉक, राही ब्लॉक तथा रा.रा. सिंह वैदिक इंटर कॉलेज रायबरेली सहित कुल छह टीमों के 92 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के प्रारंभिक मुकाबलों में खेलो इंडिया हॉकी सेंटर रायबरेली ने वैदिक इंटर कॉलेज को 2-1 से, हरचन्दपुर ब्लॉक ने सदर रायबरेली को 1-0 से तथा वैदिक इंटर कॉलेज ने राही ब्लॉक को 2-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला खेलो इंडिया हॉकी सेंटर रायबरेली और वैदिक इंटर कॉलेज रायबरेली के बीच बेहद रोमांचक रहा। अंतिम क्षणों में वैदिक इंटर कॉलेज ने 3-2 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का विजेता खिताब अपने नाम किया, जबकि खेलो इंडिया हॉकी सेंटर रायबरेली उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के दौरान मैच रेफरी के रूप में किरन कुमारी, सक्षम सिंह, रौनक सोनकर, राधिका कश्यप, संजना सोनकर, शोएब, अश्वनी चन्द्रा एवं पिन्कू कुमार ने सहयोग प्रदान किया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 28 से 31 अगस्त तक आयोजित खेल पास दी बाल प्रतियोगिता में भी 43 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इसमें धर्मबीर यादव ने प्रथम, अनुभव यादव ने द्वितीय, रक्षित सिंह ने तृतीय, सिद्धार्थ सोनकर ने चतुर्थ तथा वियोम जायसवाल ने पंचम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन, समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में अनुज मौर्या एवं अभिषेक वर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का संपूर्ण संचालन क्रीड़ाधिकारी धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में बाबूलाल, मंजू, नरेश कुमार निषाद, पिन्कू कुमार, कबड्डी कोच अश्वनी चन्द्रा एवं शोएब खान ने सहयोग प्रदान किया।

क्रीड़ाधिकारी धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों, अतिथियों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

रक्षाबंधन पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा रक्षा-सूत्र, खुशियों से गूंजा घर-आंगन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शुक्रवार को शुभ मुहूर्त

के अनुसार पूरे जिले में रक्षाबंधन का पर्व बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सदर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा लसड़ा में भी त्योहार की रौनक देखने को मिली। ग्राम सभा लसड़ा निवासी रुद्रकांत मिश्रा और अक्षत मिश्रा को उनकी बहनों जाह्नवी मिश्रा और तन्वी मिश्रा ने तिलक लगाकर, आरती उतारकर राखी बांधी। बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की, वहीं भाइयों ने बहनों को जीवनभर रक्षा करने का वचन दिया और उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हैं। लसड़ा गांव में सुबह से ही घरों में पकवान बनने का दौर शुरू हो गया था। बहनों ने पारंपरिक तरीके से थाली सजाकर राखी बांधी।

त्योहार को लेकर बच्चों से लेकर बड़ों तक में खासा उत्साह देखा गया।

पूरे गांव में रक्षाबंधन के उल्लास का माहौल रहा और भाई-बहन के प्यार का यह पर्व आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाया गया।

प्रतापगढ़ में मेजर ध्यानचंद जयंती पर एमडब्ल्यूओ का रक्तदान शिविर, 15 लोगों ने किया रक्तदान,मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न सम्मान से नवाजे केंद्र सरकार - घनश्याम शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रतापगढ़। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की 121वीं जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के पावन अवसर पर महापदमनंद वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन (एम डब्ल्यू ओ) जिला इकाई प्रतापगढ़ द्वारा जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुरेन्द्र शर्मा, समीक्षा अधिकारी, उत्तर प्रदेश शासन, सचिवालय लखनऊ ने फीता काटकर किया। उन्होंने एम डब्ल्यू ओ जिला कमेटी के इस पुनीत प्रयास की सराहना करते हुए सभी रक्तदाताओं का अभिनंदन किया और संगठन को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष घनश्याम शर्मा एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी प्रतापगढ़ रंजीत कुमार शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रांतीय अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने रक्तदान के शारीरिक एवं सामाजिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से मेजर ध्यानचंद जी से प्रेरणा लेकर सदैव स्वस्थ व फिट रहने का आह्वान किया। साथ ही

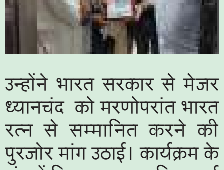

उन्होंने भारत सरकार से मेजर ध्यानचंद को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने की पुरजोर मांग उठाई। कार्यक्रम के अंत में जिला अध्यक्ष सचिन शर्मा ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों, समाजसेवियों एवं जिला, तहसील व ब्लॉक कमेटी के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस शिविर में रक्तदान करने वालों में प्रमोद कुमार शर्मा, सुनील शर्मा, अनिल कुमार शर्मा, प्रमोद कुमार दहिला मऊ, राजेश सिंह भोले, अखिलेश सिंह, इस्तखार अहमद उर्फ अनीश सलमानी, विनय कुमार, पंकज शर्मा, सचिन शर्मा, राजेश शर्मा, उदय प्रताप वर्मा,अविनाश शर्मा, पिंटू शर्मा, योगेंद्र कुमार शर्मा उर्फ बच्चा आदि 15 लोगों ने रक्तदान किया।प्रशिक्षण में 6 लोग अपूर्ण पाए गए। इस अवसर पर रामचंद्र शर्मा, माताफेर शर्मा, जनार्दन शर्मा, ठाकुर प्रसाद शर्मा, रंजीत शर्मा, संतोष शर्मा, श्यामू शर्मा, राहुल शर्मा, दुर्गेश शर्मा, अरविंद शर्मा, अवध बिहारी शर्मा, अश्वनी शर्मा, धीरज शर्मा, कुशाग्र शर्मा, सुरेश कुमार शर्मा आदि उपस्थित रहे। ब्लड संग्रह करने में डॉक्टर यशब्बो, पवन नंदन भट्ट, आशिक अली, पवन मिश्रा, सौरभ शुक्ला आदि ने कुशलतापूर्वक ब्लड संग्रह किया।

‘दृष्टि’ की बैठक में विकास योजनाओं की विस्तृत समीक्षा, प्रत्येक पात्र परिवार तक मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ पहुंचाने के निर्देश

सम्पर्क मार्ग एवं विद्युतीकरण कार्यों की तकनीकी टीम करेगी जांच, निर्माण कार्यों के नियमित स्थलीय निरीक्षण पर जोर,मेडिकल स्टोरों की नियमित जांच के निर्देश, अनधिकृत नारकोटिक दवाओं की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में संचालित विकास योजनाओं को धरातल पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूरा कराने को लेकर शनिवार को विकास भवन में जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति ‘दृष्टि’ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। मा0 राज्य मंत्री, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग श्री संजीव कुमार गोड़ जी की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधानमंडल क्षेत्र विकास निधि सहित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक में मंत्री जी ने कहा कि विकास कार्यों की सार्थकता तभी है, जब वे समय से पूरे हों और उनकी गुणवत्ता लंबे समय तक जनता के उपयोग के अनुरूप बनी रहे। निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा अधिकारी नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखें। उन्होंने कहा कि बैठक में दिए गए निर्देश केवल कार्यवाही तक सीमित न रहें, बल्कि उनका प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए। निर्देशों के अनुपालन एवं कार्यों की प्रगति की अगली बैठक में पुनः समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की समीक्षा करते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। जनपद में आवास योजना के लिए पात्र परिवारों का नियमानुसार एवं पारदर्शी ढंग से चयन सुनिश्चित करते हुए उन्हें योजना से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि पात्रता की जांच पूरी गंभीरता से की जाए, जिससे कोई भी पात्र परिवार आवास की सुविधा से वंचित न रहने पाए। जनपद में कराए जा रहे सम्पर्क मार्गों एवं विद्युतीकरण कार्यों की समीक्षा के दौरान राज्य मंत्री ने गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाएं नियमित निरीक्षण करें तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही कार्य कराए जाएं। बैठक में राज्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि विकास एवं निर्माण कार्य प्रारम्भ होने से पूर्व उनका शिलान्यास तथा पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण संबंधित जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराया जाए। बैठक में औषधि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए राज्य मंत्री ने मेडिकल स्टोरों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बिना वैध पंजीकरण एवं निर्धारित प्रावधानों के नारकोटिक एवं नियंत्रित श्रेणी की औषधियों की बिक्री किसी भी दशा में न होने पाए। उन्होंने निर्देशित किया कि मेडिकल स्टोरों के निरीक्षण के दौरान औषधियों के क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेखों एवं निर्धारित मानकों की भी जांच की जाए। नियमों के उल्लंघन अथवा अनधिकृत बिक्री का मामला सामने आने पर संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। राज्य मंत्री ने कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर जनहित से जुड़े विषयों तक संबंधित विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें। शासन की योजनाओं एवं विकास कार्यों का लाभ आमजन तक समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मा0 विधायक राबर्ट्सगंज, मा0 विधायक घोरावल के प्रतिनिधिगण, प्रमुखगण, खण्ड विकास अधिकारी, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि, परियोजना निदेशक, उपायुक्त श्रम रोजगार, जिला विकास अधिकारी, समिति में नामित विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि एवं ग्राम प्रधानगण सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना ओबरा पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट से सम्बन्धित 02 वारण्टी अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, श्री अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में वांछित एवं वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर सोनभद्र श्री अनिल कुमार के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना ओबरा पुलिस द्वारा मु0न0 379/24 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट से संबंधित 02 वारण्टी अभियुक्तों 01. शनि पुत्र राजकुमार, निवासी खैरटिया, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र, 02.रामचन्द्र पुत्र रामनाथ, निवासी खैरटिया, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र को दिनांक 29.08.2026 समय 13.50 बजे ग्राम खैरटिया से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने हेतु आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। गिरफ्तार अभियुकतगण का विवरण- 1. शनि पुत्र राजकुमार, निवासी खैरटिया, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 2. रामचन्द्र पुत्र रामनाथ, निवासी खैरटिया, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. उ0नि0 जयशंकर सिंह, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र, 2. का0 अरुण कुमार यादव, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र,3. का0 धर्मेन्द्र राजभर, थाना ओरा जनपद सोनभद्र,4. का0 राहुल श्रीवास थाना ओबरा जनपद सोनभद्र।

उत्तर प्रदेश में पुलिस द्वारा वामपंथी कार्यकर्ताओं की व्यक्तिगत निगरानी के विरोध में वामदलों का प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) , भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी (माकपा) के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त वामदल के बैनर तले कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर एक मांगपत्र महामहिम राज्यपाल को जिलाधिकारी सोनभद्र के माध्यम से भेजा। जहां वामदलों के नेताओं ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस और स्थानीय अभिसूचना इकाई (एल0आई0यू0) द्वारा वामपंथी आंदोलन से जुड़े नेताओं व कार्यकर्ताओं को धमकाकर उनका निजी डेटा मांगा जा रहा है। थानों से फोन कर, व्हाट्सएप संदेश भेजकर और प्रोफार्मा थमाकर आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट और बैंक खाते का विवरण, पारिवारिक वंशावली (फैमिली ट्री) और निजी संपर्कों की सूची, चल-अचल संपत्ति, वैध/अवैध व्यवसाय और संपत्ति विवाद, सोशल मीडिया प्रोफाइल, डिजिटल गतिविधियां और आपराधिक रिकॉर्ड जैसी संवेदनशील जानकारियां जबरन जुटाने का दबाव बनाया जा रहा है। डेटा न देने की स्थिति में कार्यकर्ताओं को गिरफ्तारी और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां दी जा रही हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग के इंटेलीजेंस द्वारा यह अवैध प्रक्रिया पूरे प्रदेश में जारी है। पुलिस प्रशासन द्वारा की जा रही यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय द्वारा घोषित और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित ‘निजता के मौलिक अधिकार’ का खुला उल्लंघन है। राजनीतिक कार्यकर्ताओं को अपराधी या आतंकवादी की तरह चिन्हित कर उनकी व्यक्तिगत जिंदगी में दखलंदाजी करना राज्य प्रायोजित तानाशाही है। उत्तर प्रदेश को एक ’सर्विलांस स्टेट’ (निगरानी राज्य) में तब्दील करने की इस कोशिश की वामदलों ने कड़ी निंदा की है। ज्ञापन में वामपंथी दलों, जनसंगठनों के नेताओं-कार्यकर्ताओं का निजी डेटा/विवरण (डोजियर) जुटाने की पुलिस प्रशासन की अलोकतांत्रिक कार्रवाई पर फौरन रोक लगाने, इसके लिए वामपंथी नेताओं-कार्यकर्ताओं को धमकाना बंद करने, वाम दलों के कार्यकर्ताओं और नागरिकों के निजता के अधिकार (राइट टू प्राइवेसी) की रक्षा व सम्मान किये जाने तथा जन अधिकारों की हिफाजत के लिए संघर्ष करने वाले वामपंथी कार्यकर्ताओं को दमन का निशाना बनाना बंद करने की मांग की गई। प्रदर्शन में भाकपा जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, माकपा जिला मंत्री कामरेड नन्द लाल आर्य के साथ साथ कामरेड प्रेमनाथ, कामरेड पुरुषोत्तम, कामरेड रामबचन, कामरेड रामेश्वर विश्व कर्मा, कामरेड जग नरायन , कामरेड महेंद्र भारतीय, दुर्जन भारतीय व कामरेड श्याम नारायण आदि दर्जनों की संख्या कम्युनिस्ट कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंगल कामना के साथ मनसा देवी मंदिर में बहन ने भाई को बांधी रक्षासूत्र,बहन- की रक्षा के साथ साथ सनातन धर्म व मां गंगे व प्रकृति की रक्षा का भी लें संकल्प- नीलम द्विवेदी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हरिद्वार/सोनभद्र। शनिवार को जिले के घोरावल तहसील क्षेत्र के महुआंव पाण्डेय गांव निवासी नीलम द्विवेदी ने परिवार के साथ रक्षाबंधन पर्व देवभूमि हरिद्वार में मनाया। बताते चलें कि नीलम द्विवेदी श्री सिद्धेश्वर महादेव सेवा संस्थान की अध्यक्ष हैं। और परिवार के साथ रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहन के पारंपरिक भाव को आध्यात्मिक संरक्षण से जोड़ती है।बताते चलें कि नीलम देवी अपने परिवार के साथ हरिद्वार की पावन भूमि पर इस वर्ष हिन्दुओं का पवित्र पर्व रक्षाबंधन मनाया।नीलम देवी की पुत्री पूजा पाण्डेय व पुत्र प्रज्ज्वल धर द्विवेदी ने विचार कर इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व देवभूमि उत्तराखंड हरिद्वार में माता मनसा देवी के मंदिर में रक्षासूत्र बांध कर सुख शांति समृद्धि की कामना किया। साथ ही राखी का कार्यक्रम पारंपरिक रूप से तिलक, आरती, फूल,फल, मीठा आदि के माध्यम से राखी बांधी गई।इस अनूठी पहल के माध्यम से उन्होंने समाज को सनातन धर्म के पर्व के प्रति संवेदना का संदेश दिया। नीलम द्विवेदी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल बहन की रक्षा का संकल्प लेने का पर्व नहीं, बल्कि जीवनदायिनी मां गंगा व प्रकृति की रक्षा व सनातन धर्म का संकल्प लेने का भी अवसर है। बहनों को भेंट किया गया उपहार प्रेम, स्नेह, संरक्षण और पर्यावरण व सनातन धर्म के प्रति जिम्मेदारी का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भाई अपनी बहन की सुरक्षा का संकल्प लेता है, उसी तरह पहल कर नई पीढ़ी में सनातन धर्म के प्रति संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करना है। इस अवसर पर उन्नति पाण्डेय भी मौजूद रहीं।

सोनभद्र में आईआईएफएल फाइनेंस की गोल्ड लोन शाखा का भव्य शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को जिले में आईआईएफएल फाइनेंस की गोल्ड लोन शाखा का आज भव्य उद्घाटन किया गया। शाखा का उद्घाटन नगवां ब्लाक प्रमुख आलोक कुमार सिंह, रॉबर्ट्सगंज ब्लाक प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेश चंद्र शुक्ला एवं कंपनी के वाराणसी क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश कुमार पाठक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर वाराणसी क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश कुमार पाठक ने बताया कि आईआईएफएल गोल्ड

लोन भारत की दूसरी सबसे बड़ी गोल्ड लोन फाइनेंस कंपनी है, जो पूरे देश में लगभग 3000् शाखाओं के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आईआईएफएल बाजार में सबसे कम ब्याज दर पर सोने के बदले अधिकतम लोन उपलब्ध कराती है और पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करती है। सोनभद्र क्षेत्र के लोगों को इस शाखा के माध्यम से उचित दरों पर गोल्ड लोन की सुविधा मिलेगी। क्षेत्रीय प्रबंधक ने कहा कि इस शाखा के माध्यम से निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों को कम से कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना कंपनी का मुख्य उद्देश्य रहेगा, ताकि जरूरतमंद लोग आसानी से आर्थिक मदद ले सकें। साथ ही इस शाखा से व्यावसायिक लोन भी मिलेगा। इस मौके पर विनोद यादव, हरिदत्त पाण्डेय, अधिवक्ता अनूप पाण्डेय, जीनत, केशरीनंदन पाठक, अशोक तिवारी, रविन्द्र नाथ पाठक समेत कंपनी के अन्य अधिकारी व गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
NAINI ALLAHABAD
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
ALL TYPE PRINTING SOLUTION Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स

मेसी के 4 गोल से इंटर मियामी जीता,सीजन के टॉप गोल स्कोरर बने, 20 मल्टी गोल करने वाले फास्टेस्ट खिलाड़ी भी

स्पोर्ट डेस्क। लियोनेल मेसी के 4 गोल की मदद से इंटर मियामी ने सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से हरा दिया। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में लगातार 5 मैच हारने के बाद मियामी को यह जीत मिली है। 39 साल के लियोनल मेसी सात में से पांच गोल में शामिल रहे। उन्होंने चार गोल किए और लुइस सुआरेज को गोल करने में असिस्ट भी किया। मेसी ने इस सीजन के 19 मैचों में 18 गोल किए हैं। वे लीग के टॉप गोल स्कोरर बन गए हैं। उन्होंने एफसी डलास के पीटर मूसा के 16 गोल को पीछे छोड़ा। साथ ही मेसी ने एमएलएस के इतिहास में सबसे कम मैचों में 20 मल्टी गोल मुकाबले पूरे किए। उन्होंने सिर्फ

74 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की। फरवरी 2020 में आखिरी बार 4 गोल दागे थे-इंटर मियामी के लिए मेसी ने पहली बार एक मैच में 4 गोल किए। किसी भी लीग में उनकी यह परफॉर्मेंस 6 साल बाद आई है। इससे पहले फरवरी 2020 में उन्होंने ला लिगा में बार्सिलोना की ओर से एइबार के खिलाफ 4 गोल किए थे। उन्होंने करियर में 8वीं बार किसी मैच में 4 या उससे अधिक गोल किया है। पहले हाफ में मेसी ने एक गोल किया-इंटर मियामी ने 20वें मिनट में बढ़त बनाई। तेलास्को सेगोविया के कॉर्नर पर कासेमिरो ने हेडर से गोल किया। यह क्लब के लिए कासेमिरो का पहला गोल था। 37वें मिनट में फैबियन हर्बर्स के गोल से मॉन्ट्रियल ने स्कोर 1-1 कर दिया। इसके 3 मिनट बाद ही मेसी ने फ्री किक पर गोल कर मियामी को फिर बढ़त दिला दी। गेंद गोलकीपर थॉमस गिलियर से आगे जाने से पहले एक खिलाड़ी से टकराकर दिशा बदल गई। इस गोल के बाद दूसरे हाफ में मियामी ने लगातार हमले किए। दूसरे हाफ में मेसी ने 3 गोल दागे-दूसरे हाफ के सातवें मिनट में मेसी ने शानदार गोल किया। उन्होंने गेंद लेकर मॉन्ट्रियल के डिफेंस में प्रवेश किया और खिलाड़ियों के बीच से निकलते हुए दाएं पैर से गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। इसके बाद मियामी ने कुछ समय के लिए खेल की रफ्तार धीमी की। 80वें मिनट में मेसी ने गोल करने के बजाय लुइस सुआरेज को पास दिया। सुआरेज ने गोलकीपर के सामने से बॉल निकालकर गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। तीन मिनट बाद मेसी ने अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके बाद 89वें मिनट में 18 साल के अलेक्जेंडर शॉ ने गोल किया। फिर स्टॉपेज टाइम के दौरान मेसी ने एक और सीधी फ्री किक को गोल में पहुंचाकर स्कोर 7-1 कर दिया।

ईशान किशन को चोट लगी, वैभव सूर्यवंशी ने कप्तानी संभाली

बेंगलुरु। ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल खेला जा रहा है। मैच के पहले ही दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन चोटिल हो गए। इसके बाद 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने टीम की कमान संभाली। बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में खेले जा रहे मुकाबले में ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। सेंट्रल जोन ने पहले सेशन में 3 विकेट पर 81 रन बनाए। टीम के कप्तान रजत पाटीदार सिर्फ 12 रन बनाकर मुकेश कुमार की गेंद पर एलबीडब्लू हुए। सूर्यवंशी पहली बार कप्तानी कर रहे-सूर्यवंशी ने पहली बार किसी सीनियर पुरुष टीम की कप्तानी संभाली है। सूर्यवंशी का यह सिर्फ दूसरा दलीप ट्रॉफी मैच है। वह अब तक नौ फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 2024 की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी के दौरान इस फॉर्मेट में ऐतिहासिक डेब्यू किया था और वह इस फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हैं। ईशान किशन की कलाई में लगी गेंद-विकेटकीपिंग करते समय ईशान किशन के दाहिने हाथ की कलाई पर गेंद लगी। फिजियो ने उनकी जांच की। इसके बाद किशन ने मैदान से बाहर जाने का फैसला किया। कुछ देर बाद किशन के हाथ पर स्ट्रैपिंग बंधी दिखाई दी।

गावस्कर बोले- टेस्ट में नो-बॉल पर जुर्माना हो जोकि हर गलती के बाद दोगुनी हो, इकट्ठा हुए पैसों से सभी खिलाड़ी डिनर करें

स्पोर्ट डेस्क। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने गेंदबाजों को नो-बॉल डालने से रोकने के लिए अनोखा फॉर्मूला दिया है। गावस्कर ने कहा कि हर नो-बॉल पर खिलाड़ी पर जुर्माना लगे और अगली गलती पर इसे दोगुना कर दिया जाए। साथ ही उन्होंने गेंदबाजी कोच को भी आधा जुर्माना देने का सुझाव दिया। गावस्कर ने मिड-डे के अपने कॉलम में लिखा- 'इकट्ठा हुई रकम का इस्तेमाल खिलाड़ियों के अलग होने से पहले होने वाले टीम डिनर में किया जा सकता है।' उन्होंने कहा- ऐसी मजेदार गतिविधि से खिलाड़ियों के बीच रिश्ता और मजबूत होगा। दरअसल श्रीलंका टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाजों ने कुल 20 नो-बॉल डाले। पहले टेस्ट में 7 और दूसरे में 13 नो-बॉल फेंके गए। पिछले 5 साल में रवींद्र जडेजा 88 से ज्यादा नो-बॉल डाल चुके हैं। श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज भारत 1-0 से जीता। कोलंबो में खेला गया दूसरा टेस्ट ड्रॉ रहा था। गावस्कर ने कहा- ओवरथ्रो पर बैकअप न देने पर भी जुर्माना लगे-गावस्कर ने दूसरी गलतियों पर भी जुर्माना लगाने को कहा। उन्होंने लिखा- ओवरथ्रो पर बैकअप न देने जैसी गलतियों पर भी टीम वोटिंग से जुर्माना तय किया जा सकता है।' गावस्कर ने साफ किया कि रन-अप मापने के लिए टेप उपलब्ध रहता है, इसलिए क्रीज से आगे पैर निकलने का कोई बहाना नहीं चलेगा। स्पिन कोच के 'फ्री-हिट' की सलाह को खारिज किया-नो-बॉल की परेशानी पर भारतीय स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले ने मजाक करते हुए कहा था कि इसे रोकने के लिए टेस्ट में भी फ्री-हिट शुरू कर देनी चाहिए। इससे गलती रोकने में मदद मिलेकी। गावस्कर ने बहुतुले के इस विचार को खारिज किया। उन्होंने कहा कि टेस्ट में बल्लेबाजों को मुफ्त के रन देने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। उन्होंने लिखा- 'वैसे भी एक ओवर में बाउंसर की संख्या 2 तक सीमित है और बाउंड्री छोटी कर दी गई हैं। इससे रन बनाना थोड़ा आसान हो गया है।' कोलंबो टेस्ट में भारत को नहीं मिली जीत-दूसरे टेस्ट में भारत को आखिरी दिन 4 विकेट गिराने थे। श्रीलंका के सोनल दिनुशा ने नाबाद शतक लगाते हुए मैच ड्रॉ करा दिया था। हालांकि भारत 1-0 से सीरीज जीता।

श्रीलंका से छिनी पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी,आईसीसी ने लगाया सरकारी दखल का आरोप, अब दूसरे देश में होगा टूर्नामेंट

दुबई। 2027 में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की

मेजबानी श्रीलंका से छिन गई है। आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट में सरकारी दखल को लेकर आपत्ति जताई है। अब 14 से 28 फरवरी तक होने वाला छह टीमों का टूर्नामेंट किसी दूसरे देश में खेला जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) का कामकाज फिलहाल सरकार की बनाई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी देख रही है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक सदस्य बोर्ड को सरकार के हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से काम करना होता है। एसएलसी ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सचिव प्रकाश शाफ्टर ने मेजबानी हटाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट श्रीलंका से बाहर होगा, लेकिन नए मेजबान का फैसला अभी नहीं हुआ है। आईसीसी श्रीलंका में जल्द चुनाव कराने और निर्वाचित क्रिकेट बोर्ड बहाल करने की मांग कर रहा है। ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के प्रतिनिधियों को आईसीसी बोर्ड की बैठकों में शामिल होने की अनुमति भी नहीं है। श्रीलंका की मेजबानी में 6 टीमें खेलनी थीं-महिला चैंपियंस ट्रॉफी 14 से 28 फरवरी 2027 तक टी-20 फॉर्मेट में खेला जाना है। इसमें 6 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान होने के कारण श्रीलंका को सीधे टूर्नामेंट में जगह मिलनी थी। अब मेजबान बदलने के बाद उसकी भागीदारी पर भी सवाल खड़ा हो गया है। श्रीलंका फिलहाल महिला वनडे रैंकिंग में छठे स्थान पर है। आईसीसी ने अभी नई क्वालिफिकेशन व्यवस्था स्पष्ट नहीं की है। मेजबानी जाने से टूरिज्म को भी नुकसान-टूर्नामेंट दूसरे देश में जाने से श्रीलंका को क्रिकेट के साथ आर्थिक नुकसान भी होगा। टीमों, अधिकारियों और दर्शकों के आने से होटल और पर्यटन कारोबार को फायदा मिलना था। ब्रॉडकास्टिंग और आयोजन से होने वाली कमाई का हिस्सा भी श्रीलंका को नहीं मिलेगा। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट के लिए मिलने वाले आयोजन से जुड़े अवसर भी खत्म हो जाएंगे। 2023 में भी आईसीसी ने किया था निलंबित-सरकारी दखल को लेकर श्रीलंका पहले भी आईसीसी की कार्रवाई झेल चुका है। 2023 में आईसीसी ने एसएलसी को निलंबित कर दिया था। इसके बाद 2024 मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप की मेजबानी भी श्रीलंका से छीनकर साउथ अफ्रीका को दे दी गई थी। अप्रैल 2026 में श्रीलंका सरकार ने बोर्ड का कामकाज अस्थायी तौर पर ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी को सौंपा था। आईसीसी तब से निर्वाचित बोर्ड की बहाली और जल्द चुनाव कराने पर जोर दे रहा है।

रोजर फेडरर टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल,स्पीच देते समय रो पड़े

कहा- यह जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान; 20 ग्रैंड स्लैम जीते

रोड आइलैंड। पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर को टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। इस दौरान फेडरर स्पीच देते हुए कई बार भावुक हो गए। 45 साल के फेडरर अपनी स्पीच में विरोधियों, अधिकारियों और प्रशंसकों को याद किया। परिवार और दोस्तों को थैंक्यू कहते समय वे रो पड़े। अमेरिकी स्टेट रोड आइलैंड के न्यूपोर्ट में शनिवार को हुए समारोह में फेडरर ने कहा- 'यह मेरी जिंदगी के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। इसे हॉल ऑफ फेम कहा जाता है, लेकिन यश पाना कभी मेरा लक्ष्य नहीं था। मेरा लक्ष्य था कि मैं अपनी जिंदगी उस काम को करते हुए बिताऊं, जिससे मुझे प्यार है और जिन लोगों को भी उससे उतना ही प्यार है, उनके साथ रहूं।' स्विट्जरलैंड के फेडरर ने 2022 में टेनिस से संन्यास ले लिया था। उन्होंने अपने करियर में 20 ग्रैंड स्लैम और 103 एटीपी चैंपियनशिप जीती। फेडरर ने 5 हजार हेडबैंड, 7 हजार जोड़ी मोजे पहने- फेडरर ने अपने करियर के कुछ अनोखे आंकड़े शेयर किए। उन्होंने बताया कि 1998 में एटीपी टूर की शुरुआत से लेकर 2022 में संन्यास लेने तक उन्होंने 5,000 से ज्यादा हेडबैंड पहने। फेडरर ने यह भी बताया कि वे मैच के दौरान एक साथ दो-दो मोजे पहनते थे। उन्होंने अपने करियर में 7 हजार

से ज्यादा जोड़ी मोजे इस्तेमाल किए। फेडरर ने अपने सफर को याद करते हुए कहा- 'टेनिस में इस मुकाम तक पहुंचने के अहसास को शब्दों में बयां करना या किसी पैमाने से मापना नामुमकिन है। मेरा सफर बेसल में महज 13 साल की उम्र में एक एटीपी टूर्नामेंट में बॉल बॉय बनने से शुरू हुआ था।' बॉल किड्स और परिवार को थैक्यू कहते हुए रो पड़े-फेडरर ने कहा- 'मैं हर उस बॉल किड को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो मेरे किसी भी मैच के दौरान घंटों तक खड़ा रहा। मैं आपको देखता हूं। मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं भी कभी आपकी जगह था।' अपने आदर्श स्टीफन एडबर्ग, टेनिस के दूसरे सितारों, परिवार और करियर में साथ देने वाले स्टाफ का नाम लेते हुए फेडरर की आंखों में आंसू आ गए। इसके बाद उन्होंने मजाक करते हुए कहा- मुझे अभी टिश्यू, धूप के चश्मे और खुद को बचाने के लिए हर चीज की जरूरत है। यह सब बहुत गड़बड़ हो गया है।' बोले- टेनिस हमेशा उनकी जिंदगी का हिस्सा रहेगा-फेडरर ने कहा- 'जैसा कि आप देख सकते हैं, मैं अब भी टेनिस को अपना प्रेम पत्र लिख रहा हूं। खिलाड़ी के तौर पर मेरा समय खत्म हो गया है, लेकिन टेनिस हमेशा उन सभी चीजों के बीच रहेगा, जिनकी मुझे सबसे ज्यादा परवाह है।' उन्होंने कहा- 'इसमें मेरा परिवार, हमारी दोस्ती, पिछले 40 साल और वह भविष्य शामिल है, जिसे हम बना रहे हैं। मेरे लिए टेनिस ही इन सबका जिम्मेदार है।' 2019 में क्वार्टर फाइनल में हारे थे, फिर यूएस ओपन नहीं खेला-फेडरर ने 2019 यूएस ओपन में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था। उन्हें ग्रिगोर दिमित्रोव ने हराया था। उस समय माना जा रहा था कि फेडरर आगे भी न्यूयॉर्क के इस टूर्नामेंट में खेलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वे 2020 यूएस ओपन में नहीं खेले और 2021 में विंबलडन उनका आखिरी ग्रैंड स्लैम रहा। 2022 में उन्होंने प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था। 2004 से 2008 तक लगातार 5 यूएस ओपन खिताब जीते-फेडरर ने 2004 से 2008 तक लगातार 5 बार मेंस सिंगल्स का खिताब जीता। ओपन एरा में लगातार 5 यूएस ओपन खिताब जीतने वाले वे इकलौते पुरुष खिलाड़ी हैं।

क्या आपको पान मसाले-गुटखे की लत है, इससे बढ़ता मुंह, गले के कैंसर का रिस्क, डॉक्टर से जानें लत छोड़ने के 7 तरीके

नयी दिल्ली। हाल ही में महाराष्ट्र 'फूड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' (एफडीए) ने अभिनेता अजय देवगन,

शाहरुख खान और टाइगर श्रॉफ को 'विमल इलायची' के विज्ञापन को लेकर नोटिस भेजा है। एफडीए का मानना है कि यह पान मसाला के अप्रत्यक्ष प्रचार यानी सरोगेट विज्ञापन का मामला है। इस कार्रवाई ने एक बार फिर पान मसाला और उसके हेल्थ रिस्क पर बहस छेड़ दी है। कुछ लोग यह मानते हैं कि बिना तंबाकू वाला पान मसाला सेफ होता है। जबकि साइंटिफिक स्टडीज में इसमें मौजूद सुपारी से भी कई गंभीर बीमारियों का रिस्क बताया गया है। साल 2024, में 'द लैंसेट ऑन्कोलॉजी' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पान मसाला के मुख्य कंपोनेंट सुपारी से ओरल कैंसर का खतरा बढ़ता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में पान मसाला के हेल्थ रिस्क पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- पान मसाला से किन बीमारियों का रिस्क बढ़ता है? इसे छोड़ने पर शरीर में क्या बदलाव होते हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जे. बी. शर्मा, डायरेक्टर, ऑन्कोलॉजिस्ट, एक्शन कैंसर हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- पान मसाला और गुटखा क्या है? क्या ये दोनों एक ही हैं? जवाब- ये दोनों सुपारी से बने प्रोडक्ट हैं, जिन्हें लोग चबाकर खाते हैं। दोनों में सबसे बड़ा अंतर तंबाकू का होता है। गुटखा में तंबाकू मिला होता है, जबकि पान मसाला में आमतौर पर तंबाकू नहीं होता। हालांकि तंबाकू न होने का मतलब यह नहीं है कि पान मसाला पूरी तरह सेफ है। इसमें मौजूद सुपारी भी हेल्थ के लिए खतरनाक है। लंबे समय तक इसके सेवन से कैंसर का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- अगर पान मसाला में निकोटिन नहीं है तो फिर उसका विज्ञापन करना गलत क्यों है? जवाब- सिर्फ निकोटिन न होना किसी प्रोडक्ट को पूरी तरह सेफ नहीं बनाता। पान मसाला के विज्ञापनों पर आपत्ति की एक बड़ी वजह सरोगेट एडवर्टाइजिंग है। इसे पॉइंटर्स से समझिए-कई कंपनियां अपने पान मसाला और तंबाकू प्रोडक्ट के लिए एक ही ब्रांड नेम का इस्तेमाल करती हैं। ऐसे में पान मसाला का विज्ञापन उसी ब्रांड के तंबाकू प्रोडक्ट्स को भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रमोट करता है। पान मसाले में सुपारी होती है। डब्लूएचओ की कैंसर रिसर्च एजेंसी 'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर' सुपारी को कार्सिनोजेनिक यानी कैंसरकारक मानती है। बिना तंबाकू वाला पान मसाला भी सुरक्षित नहीं है। इसमें मौजूद सुपारी मुंह के टिश्यू को नुकसान पहुंचा सकती है और लंबे समय में गंभीर बीमारियों का रिस्क बढ़ा सकती है। इसलिए इसे माउथ फ्रेशनर समझकर नहीं खाना चाहिए। सवाल- पान मसाला में कौन-से इंग्रीडिएंट होते हैं? इनका शरीर पर क्या असर होता है? जवाब- पान मसाला कई चीजों को मिलाकर बनाया जाता है। इसके प्रमुख इंग्रीडिएंट्स में सुपारी, कत्था, चूना, इलायची, सौंफ, फ्लेवरिंग एजेंट्स, स्वीटनर शामिल होते हैं। अलग-अलग ब्रांड्स में इनकी मात्रा अलग हो सकती है। पॉइंटर्स से इसके शरीर पर पड़ने वाले असर को समझिए-सुपारी यह पान मसाला का सबसे प्रमुख कंपोनेंट है। इसमें एर्कोलाइन नाम का केमिकल होता है। यह मुंह के टिश्यू को नुकसान पहुंचाता है। लंबे समय में इससे ओएसएमएफ (मुंह कम खुलने की बीमारी) और कैंसर का रिस्क बढ़ता है। चूना- मुंह के अंदर जलन और घर्षण बढ़ा सकता है। मुंह की नाजुक लेयर को नुकसान पहुंचा सकता है। यह सुपारी के कुछ केमिकल्स की सक्रियता बढ़ाता है। इससे सेल्स को नुकसान पहुंचता है। कत्था- इसमें पॉलीफेनॉल्स नाम के कंपाउंड होते हैं। ये ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ा सकते हैं। लंबे समय तक सेवन से सेल्स पर नेगेटिव असर पड़ता है। फ्लेवर और स्वीटनर-ये पान मसाला का स्वाद बेहतर बनाते हैं। लोगों को खाने के लिए आकर्षित करते हैं। इससे लत लग सकती है। इलायची, सौंफ और सुगंधित पदार्थ- स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए मिलाए जाते हैं। पान मसाला को आकर्षक बनाते हैं। सवाल- रेगुलर पान मसाला खाने से किन बीमारियों का रिस्क बढ़ता है? जवाब- इससे कई बीमारियों का रिस्क बढ़ता है, जैसेकि- ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस (ओएसएमएफ) ल्यूकोप्लाकिया मसूड़ों की बीमारी दांतों से जुड़ी समस्याएं- ओएसएमएफ और ल्यूकोप्लाकिया जैसी स्थितियां प्री-कैंसरस हैं। यानी समय रहते इलाज न होने पर ये कैंसर में बदल सकती हैं। यही वजह है कि लंबे समय तक पान मसाला खाने से शरीर के अलग-अलग हिस्सों में कैंसर का रिस्क भी बढ़ता है। पान मसाला खाने से बढ़ता कैंसर का रिस्क- मुंह का कैंसर, जीभ का कैंसर, गाल के अंदरूनी हिस्से में कैंसर, मसूड़ों का कैंसर, गले का कैंसर, भोजन नली का कैंसर, अग्न्याशय का कैंसर सवाल- गुटखा-पान मसाला कैसे कैंसर का कारण बनता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- रेगुलर गुटखा और पान मसाला खाने से मुंह की सेल्स पर लगातार प्रेशर पड़ता है। इससे सेल्स को बार-बार नुकसान पहुंचता है और लंबे

समय तक सूजन बनी रहती है।सूजन के कारण सेल्स में असामान्य बदलाव शुरू हो सकते हैं। कुछ मामलों में डीएनए डैमेज हो सकता है। यही आगे चलकर कैंसर का रूप ले सकता है।सवाल- कैंसर होने पर मुंह में कौन-से शुरुआती संकेत दिख सकते हैं? जवाब- शुरुआती फेज में अक्सर छोटे-छोटे बदलाव दिखते हैं। लेकिन लोग इन्हें सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। अगर ये लक्षण 2-3 हफ्ते तक बने रहें या बार-बार दिखाई दें तो डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है। सवाल- क्या रोज एकाध पाउच खाना भी खतरनाक है? जवाब- हां, जोखिम सिर्फ मात्रा पर निर्भर नहीं करता, बल्कि यह भी मायने रखता है कि पान मसाला कितने समय से खाया जा रहा है। अगर इसे रोजाना खाया जाए, तो लंबे समय में मुंह की बीमारियों का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- पान मसाला छोड़ना मुश्किल क्यों होता है। लोग चाहकर भी क्यों नहीं छोड़ पाते? जवाब- इसमें मौजूद सुपारी ब्रेन के रिवॉर्ड सिस्टम को प्रभावित करती है। इससे ब्रेन में ऐसे केमिकल्स रिलीज होते हैं, जो अच्छा महसूस कराते हैं। ब्रेन इस एहसास का आदी हो जाता है। यही वजह है कि पान मसाला छोड़ने पर कई लोगों को इसकी तलब, बेचैनी या चिड़चिड़ापन महसूस होता है। सवाल- पान मसाले की लत छोड़ने के लिए क्या करें? जवाब- इसके लिए ट्रिगर्स को पहचानना सबसे जरूरी है। साथ ही कुछ बातों का ध्यान रखें- पान मसाला छोड़ने की एक तारीख तय करें। धीरे-धीरे पाउच की संख्या कम करें। तलब लगने पर सौंफ, शुगर-फ्री च्यूइंग गम खाएं या पानी पिएं। परिवार और दोस्तों को अपने छोड़ने के फैसले के बारे में बताएं। तलब लगने पर 5-10 मिनट खुद को किसी दूसरे काम में व्यस्त रखें। नियमित व्यायाम करें और पर्याप्त नींद लें। छोड़ने पर बेचैनी, चिड़चिड़ापन या तलब महसूस हो तो डॉक्टर या काउंसलर की मदद लें। सवाल- अगर कोई आज गुटखा-पान मसाला खाना छोड़ता है तो अगले दो सालों में उसकी सेहत में क्या बदलाव दिखेंगे? जवाब- शुरुआत में तलब और चिड़चिड़ापन हो सकता है, लेकिन कुछ हफ्तों और महीनों में मुंह, दांत और सेहत में सुधार शुरू हो जाता है। ग्राफिक में देखिए, सेहत में क्या बदलाव होते हैं- गुटखा पान मसाला छोड़ने के फायदेः-(6 हफ्ते में) मुंह के सफेद धब्बे कम होने लगते है। मसूड़ों की सूजन और जलन घटती है। 3-6 महीने में मुंह और मसूड़ों की सेहत सुधरती है। स्वाद-गंध की क्षमता बेहतर होती है। 1 साल में हार्ट डिजीज का रिस्क घटने लगता है। ब्लड वेसल्स की सेहत में सुधार होता है। मुंह-गाल के कैंसर का रिस्क कम होता है। 2 साल में शरीर का रिकवरी प्रोसेस जारी रहता है। पान मसाला की एक पुड़िया खाने में कुछ मिनट लगते हैं, लेकिन लंबे समय में इसका शरीर पर गहरा असर पड़ता है। इसलिए सेहत को प्राथमिकता दें और आज ही गुटखा-पान मसाला छोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाएं। आखिरकार, शरीर वही याद रखता है, जिसे हम बार-बार दोहराते हैं। अच्छी आदतें सेहत बनाती हैं और बुरी आदतें धीरे-धीरे उसे नुकसान पहुंचाती हैं।

धरती पर प्रदूषण को हमने चरम तक पंहुचा दिए,कहीं लाखो पेड़ काटे कहीं टनों कचरा बहाया

नयी दिल्ली। धरती बचाने के 5 उपाय, जो आपके हाथ में हैं,1. पेड़ों को 'गोद' लें : अपने आसपास के पेड़ों की देखभाल करें और हर साल नए पौधे लगाएं। 2. प्लास्टिक से दूरी बनाएं : इस तरह माइक्रो प्लास्टिक आपकी फूड चेन में जाने से रुकेगा। 3. फूड बैंक की पहल करें : अतिरिक्त भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाएं, अन्न की बर्बादी रोकें। 4. सोलर एनर्जी अपनाएं : फॉसिल फ्यूल की तुलना में सौर ऊर्जा 90फीसदी कम प्रदूषण करती है। 5.लो-फ्लो नल लगाएं : अगर हर परिवार यह अपना ले तो रोज 20 लीटर पानी बचा सकता है। रोज 30 हजार हेक्टेयर वन नष्ट- दुनिया में हर दिन लगभग 25,000 से 30,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो जाता है। यानी रोज लगभग 4.1 करोड़ पेड़ काटे जाते हैं। इससे धरती बंजर हो रही है। इसलिए वातावरण में सीओ2 बढ़ रही है। धरती का औसत तापमान व भीषण बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। हमारे पेट में भी जा रहा है प्लास्टिक-हर दिन लगभग 2,100 ट्रक के बराबर प्लास्टिक समुद्रों में फेंका जाता है। यह सालाना 1.1 करोड़ टन होता है। यह समुद्री जीवन को नष्ट कर रहा है। इंसान हर हफ्ते 4.1 माइक्रो ग्राम प्लास्टिक खा रहा है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।? 1 अरब टन खाना बर्बाद हो रहा है- सालाना 1 अरब टन से अधिक भोजन दुनिया बर्बाद कर रही है। हर दिन लगभग 25-30 लाख टन खाना कचरे में जा रहा है। यह धरती की देन का दुरुपयोग है। करोड़ों लोग भूखे सो रहे हैं। इस बर्बादी से बनने वाली 'मीथेन गैस' धरती का तापमान बढ़ा रही है। रोज 10 करोड़ टन कार्बन स्टोरेज- मानवीय गतिविधियों के कारण हर दिन वातावरण में औसतन 10 करोड़ टन से अधिक सीओ2 छोड़ी जाती है। इससे धरती की ओजोन परत नष्ट हो रही है। इसलिए ग्लेशियर पिघल रहे हैं। समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। विनाशकारी हीटवेव (लू) चल रही है।रोज 345 अरब लीटर पानी बह रहा है-हर साल दुनिया में 126 अरब क्यूबिक मीटर साफ पानी बर्बाद होता है। यानी हर दिन लगभग 345 अरब लीटर साफ पानी हम बर्बाद कर रहे हैं। दुनिया की 25फीसदी आबादी 'वॉटर स्ट्रेस' से जूझ रही है और कई बड़े शहर 'डे जीरो' की ओर बढ़ रहे हैं।

अमीर बनने के लिए अलग तरह के रास्ते अख़्तियार करने पड़ते हैं

अक्सर हम सोचते हैं कि पैसा बचाना ही अमीरी का रास्ता है, लेकिन हकीकत अलग है। हाल ही में मेरी नजर ब्रिटेन के एक बैंकर टिम टॉबमैन की वेबसाइट 'thecrazyplan.com' पर पड़ी। टिम ने 2024 में इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत की थी। उनका दावा रोमांचक है: एक नौसिखिया निवेशक को 'शून्य' से 'अरबपति' बनाने का सफर। यहां 1 अरब डॉलर (करीब 9,400 करोड़ रुपए से अधिक) की बात हो रही है, जो सुनने में शायद नामुमकिन लगे। लेकिन इस वेबसाइट की असली खूबसूरती उनके द्वारा दी जाने वाली वित्तीय शिक्षा में छिपी है। टिम कहते हैं कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार वॉरेन बफे (95 साल) की संपत्ति 150 अरब डॉलर (करीब 1.42 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा है। लोग बफे की कामयाबी की चर्चा तो करते हैं, लेकिन उन तीन बुनियादी बातों को भूल जाते हैं जिन्होंने उन्हें 'दिग्गज' बनाया...लंबी उम्र: वे 95 वर्ष के हैं और आज भी सक्रिय हैं। निरंतरता: वे पिछले 80 से अधिक वर्षों से निवेश कर रहे हैं। सादगी: वे अपनी कमाई से बहुत कम खर्च करने और अनुशासन के साथ जीने के लिए जाने जाते हैं। टिम का क्रेजी प्लान यह दिखाता है कि कोई भी व्यक्ति अकल्पनीय संपत्ति बना सकता है। उनकी वेबसाइट दो योजनाओं पर टिकी है थली प्लानः हर महीने 50 पाउंड (करीब 6,400 रुपए) की बचत।एकमुश्त प्लानः एक बार में 10,000 पाउंड (करीब 12.8 लाख रुपए) का निवेश। टिम के कैलकुलेशन के अनुसार, लम्प-सम प्लान एक अरब डॉलर तक पहुंचने में 77 साल और मंथली को 86 साल 8 महीने लगेंगे। इस ब्लॉग में बफे के निवेश सिद्धांतों के कई संदर्भ दिए गए हैं। टिम का कहना है कि बफे ने इस नजरिए से सोचना शुरू किया कि निवेश उनकी परिवार की आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या मायने रख सकता है।

आमतौर पर एक निवेशक परिवार के लिए 30-40 साल का समय लेकर चलता है, लेकिन यदि इसी समय सीमा को बढ़ाकर 80 साल कर दिया जाए, तो हर कोई बफे बन सकता है। इसे ऐसे समझें:करीब 13 लाख रुपए की राशि 50 साल में बढ़कर 268 करोड़ रुपए हो सकती है, लेकिन वही राशि 80 साल में 18 हजार करोड़ का विशाल फंड बन जाती है!मैनेजमेंट टिप: याद रखिए बचत से आप अमीर नहीं बन सकते और दौलत रातोरात नहीं बन सकती। ये लंबी यात्रा है। अनुशासित निवेश से न केवल भविष्य सुरक्षित करते हैं, बल्कि अगली पीढ़ी के लिए मजबूत नींव भी रखते हैं। (एन. रघुरामन)

इंसान हो या कंपनी, लगातार अडेप्टेशन ही टिकाऊ विकास का जरिया बनता है

आप में से कितने लोग ऐसे किसी व्यक्ति और कंपनी का नाम बता सकते हैं, जो बाजार के ठहराव से आगे निकलने के लिए अपनी स्किल, स्ट्रैटजी और स्ट्रक्चर में लगातार बदलाव कर रहे हो? मेरे पास दोनों श्रेणियों के एक-एक उदाहरण है। दोनों की कहानी यहां पेश है। जब मैंने इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री कवर करना शुरू किया तो देखा कि दस साल के शोध में हिताची, पैनासोनिक, तोशिबा, फुजित्सु, सान्यो और सोनी- ये छह कंपनियां बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थीं। पहली पांच कंपनियों को तो घाटा हो रहा था, जबकि सोनी ने अपने टर्नओवर पर महज 1.4फीसदी मुनाफा कमाया। लेकिन मैंने देखा कि वीडियो गेम बनाने वाली सातवीं कंपनी निनटेंडो, जिसका आकार सोनी का 1/9 था, टर्नओवर पर 15.3फीसदी मार्जिन कमा रही थी। इसी समय जाकर सोनी को महसूस हुआ कि उसे यथाशीघ्र इलेक्ट्रॉनिक्स से एंटरटेनमेंट क्षेत्र में जाना होगा। मार्च 2026 में जब सोनी ने कहा कि वह अपने टेलीविजन बिजनेस को एक चीनी प्रतिद्वंद्वी कंपनी के साथ नए जॉइंट वेंचर को सौंप रही है तो जापान में कई लोगों ने उन पुराने दिनों की कसक महसूस की, जब देश की कंज्यूमर-इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री बेहद समृद्ध थी। लेकिन सोनी के सीईओ हिरोकी टोटोकि भावनाओं में बहने वाले व्यक्ति नहीं हैं। उनके नेतृत्व में आज दुनिया की सबसे जानी-मानी इलेक्ट्रॉनिक्स फर्म एंटरटेनमेंट क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, जिसका फोकस म्यूजिक, मूवीज और वीडियो गेम्स पर है। सोनी की 'स्पाइडर-मैन' फिल्मों की नवीनतम कड़ी ने अगस्त के शुरुआती वीकेंड में दुनिया भर में 900 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की। डिज्नी की 'एवेंजर्स: एंडगेम' के बाद यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मूवी लॉन्च है। इससे पहले माइकल जैक्सन की बायोपिक 'माइकल' ने सोनी की म्यूजिक यूनिट का मुनाफा नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया था। चलिए, अकादमिक रुचि के लिए सोनी के इतिहास पर नजर डालिए। 1946 में बमबारी से तबाह टोक्यो में यह कंपनी रेडियो-रिपेयर शॉप के रूप में शुरू हुई थी। चार साल बाद, 1950 में टेप रिकॉर्डर और रेडियो बनाने लगी। 1979 में इसने वॉकमैन, फिर हैंडीकैम और डिस्कमैन जैसे दूसरे प्रोडक्ट बनाए और सोनी क्वालिटी और कूल होने का पर्याय बन गई। 1989 में जब इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट्स दूसरे क्षेत्रों में फोकस कर रहे थे तो कंपनी ने लगभग 3.4 अरब डॉलर में कोलंबिया पिक्चर्स को खरीदा, जिसमें उसका कर्ज भी शामिल था। आज सोनी की सालाना कमाई का दो-तिहाई से ज्यादा हिस्सा मोशन पिक्चर्स, म्यूजिक और वीडियो गेम्स से आता है। अब अनिल कुंबले को लीजिए। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में क्रिकेटर अनिल कुंबले से ऑफ-फील्ड वह मेरी पहली मुलाकात थी। इससे पहले उनसे मुलाकात हमेशा क्रिकेट मैदानों या स्टेडियमों में हुई थी। पहली बार हम घास पर साथ चल रहे थे और मैंने देखा कि उनकी आंखें चारों ओर की हरियाली पर टिकी थीं। वो किसी क्रिकेटर की आंखें नहीं थीं, जो बल्लेबाज के फुट-मूवमेंट देख रहा हो, बल्कि ऐसी जिज्ञासु आंखें थीं जो वाइल्डलाइफ पर फोकस कर रही थीं। उन्होंने इंजीनियर से लेग-स्पिनर बने ऐसे खिलाड़ी के रूप में क्रिकेट में कदम रखा, जिसके पास पारंपरिक तौर पर बहुत ज्यादा टर्न नहीं था।

इसके बजाय उन्होंने घातक सटीकता, गति में मामूली बदलाव और रणनीतिक अनुशासन को भूमिका अपनाई। कप्तान और कोच के रूप में उन्होंने अपने जबरदस्त वर्क-एथिक्स के साथ टीम को गाइड किया। बाद में अपने एनालिटिकल दिमाग का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने इंडियन नेशनल टीम और आईपीएल फ्रेंचाइजियों के मेंटर और कोच के रूप में काम किया। वह स्पेक्टाकॉम टेक्नोलॉजीज के को-फाउंडर बने, जहां उन्होंने अपने एनालिटिकल खेल अनुभव और टेक्नोलॉजी को मिलाकर स्मार्ट बैट सेंसर विकसित किए, जो बैटिंग परफॉर्मेंस को रियल-टाइम में ट्रैक करते हैं। एक वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर के तौर पर उन्होंने अपनी बारीक नजर से प्राकृतिक जगत पर फोकस किया।

उन्होंने 'वाइड एंगल' किताब प्रकाशित की और फोटोग्राफी के जरिए वन्यजीव संरक्षण में योगदान दिया। कंपनियों के लिए नियमित री-स्ट्रक्चरिंग और टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन से ऑपरेशनल वेस्ट कम हो सकता है, कमाई के नए रास्ते खुल सकते हैं और बदलती कंज्यूमर डिमांड को पूरा किया जा सकता है।ऐसे ही किसी इंसान के लिए वर्क प्रोफाइल को अपग्रेड और बदलते समय के अनुसार में प्रासंगिक बनाए रख सकता है। जाहिर है, लगातार बदलाव आत्मसंतुष्टि के भाव को रोकता है और संभावित अप्रासंगिकता को प्रतिस्पर्धात्मक फायदे में बदल देता है।फंडा यह है कि ग्रोथ कभी स्थिर नहीं होती। इसके लिए पुरानी आदतों और तौर-तरीकों को छोड़ना जरूरी है। व्यवस्थित तरीके से बेकार प्रक्रियाओं को हटाकर और आधुनिक इनोवेशन को अपनाकर इंसान और कंपनियां बदलावों को लगातार मुनाफा देने वाले इंजन में बदल सकते हैं। एन. रघुरामन

ईरान में अमेरिका के तमाम कथित लक्ष्य अधूरे रह गए हैं

इजराइल और अमेरिका ईरान के खिलाफ जो जंग लड़ रहे हैं, उसकी शुरुआत उन्होंने बड़े नाटकीय ढंग से की थी। लेकिन आज इस जंग को जीतने का दावा करने वाले- खासकर अमेरिका- जिस तरह गतिरोध वाली हालत में फंसे हैं, वह भी उतना ही नाटकीय है। 'नाटकीयता' का तत्व ईरान के शीर्ष आध्यात्मिक, सैन्य, वैचारिक एवं बौद्धिक नेतृत्व की हत्या में निहित था और गतिरोध का तत्व हार मानने से ईरान के जिद्दी इनकार में निहित है। इन सबसे कुछ सवाल उभरते हैं। हत्याएं क्या आपके दुश्मन के सफाए की गारंटी हो सकती हैं? क्या इससे बेहतर कोई समझदारी वाला तरीका हो सकता है? क्या इजराइल-अमेरिका गठबंधन अपनी खास चाल चलना भूल गया? क्या ऐसे किसी और युद्ध का इतिहास हमें कुछ और सिखाता है? भारत के जो अनुभव रहे हैं उनसे क्या कुछ सीख मिलती है? इनमें से पहले सवाल को छोड़ बाकी के जवाब हां हैं। इजराइल अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई लंबे समय से लड़ रहा है। वह इसलिए निराश होगा कि ईरान में सरकार नहीं बदली। लेकिन ईरान कमजोर हुआ है, उसके परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका लगा है और उसका मिसाइल सिस्टम काफी हद तक खत्म हो गया है- ये सब कम कीमत पर मिली बड़ी सफलताएं हैं। लेबनान में भी हिज्बुल्ला का कमजोर होना उसके लिए फायदा ही है। अगर इजराइल अपने आसपास की स्थिति देखते हुए अपने लिए थोड़ा समय चाहता था, तो यह अच्छी रणनीति थी। लेकिन अमेरिका का क्या? वह ईरान में सत्ता बदलना चाहता था, उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना चाहता था और खाड़ी देशों (जीसीसी) को सुरक्षा का भरोसा देना चाहता था। इन तीनों में वह सफल नहीं हो पाया।ईरान में वही सरकार बनी रही, बल्कि अब ज्यादा कट्टरपंथी लोग सत्ता में आ गए हैं। जहां तक यूरेनियम का सवाल है, ईरान उसे वापस करने या अपने परमाणु कार्यक्रम को निगरानी में लाने को तैयार नहीं है। उसके मिसाइल लॉन्चर जरूर कम हुए हैं, लेकिन उन्हें रोकने वाले सिस्टम भी कम हो गए हैं। जब-जब ट्रम्प या उनके 'सेक्रेटरी ऑफ वार' पीट हेगसेथ कहते हैं कि ईरान की नौसेना और वायुसेना खत्म हो गई है, तब हंसी आती है।

कमाई के आधुनिक तरीके पुराने और छोटे कारोबार में जान नहीं फूंक सकते

हाल ही पुणे यात्रा के दौरान मैंने खुद को ऐसे शहर में पाया, जिसकी शहरी संरचना बिल्कुल बदल चुकी थी। मैं कई किलोमीटर फैले चुके विशाल मेट्रो पिलर्स के नीचे से गुजरा तो उनकी परछाइयां नीचे रेंग रही कारों पर पड़ रही थीं। दमघोंटू ट्रैफिक के बीच मैंने अपने दोस्त से पूछा, 'यहां पहले जो लोग हुआ करते थे, उनका क्या हुआ? कोल्ड ड्रिंक वाले, नारियल पानी विक्रेता और फ्रूट स्टॉल्स वाले- जो इन खंभों से पहले यहां खड़े रहते थे?' दोस्त ने कहा कि 'किसी शहर के विकास के लिए पुरानी चीजों को हटना ही पड़ता है।' पूरी तरह आर्थिक नजरिए से देखें तो वह सही थे। पुणे नगर निगम ने कमाई का एक फायदेमंद और नया जरिया ढूंढ लिया है। इन पिलर्स पर लगे विज्ञापनों से उसने दो साल में 3.4 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए हैं। अक्टूबर 2024 से मार्च 2026 के बीच यह कमाई लगातार बढ़ी। जैसे-जैसे मेट्रो फैलेगी, इसके और बढ़ने की उम्मीद है। फिर भी, जब नगर निगम साल दर साल फीस बढ़ा रहा है तो कोई यह सोचे बिना नहीं रह सकता कि इस 'प्रगति' की असली कीमत क्या है। यह बदलाव मुझे नागपुर की याद दिलाता है। 50 साल पहले पुणे और नागपुर को साइकिलों के लिए जाना जाता था। आज साइकिलें बहुत कम दिखती हैं। कई साल बाद जब मैं नागपुर के सीताबरडी लौटा तो तत्काल ही मैंने उस पंचर वाले को ढूंढा, जो कभी एक कोने में बैठा करता था। मेरे साथ वाले को पता नहीं था कि वह कहां गया।उन्होंने कहा कि अब यह कारोबार चलाने के लिए साइकिलें ही बहुत कम बची हैं। मैंने पुरानी आटा चक्कियों और उन टिन कारीगरों के बारे में पूछा, जो तेल के डिब्बों को किचन स्टोरेज में बदल देते थे। लेकिन जवाब वही था कि 'अब कौन खुद अनाज पीसता है' या 'स्टोरेज के तरीके तो बहुत पहले बदल चुके।' मन में ठान कर मैंने दो दिन खोज की और अंततः उस पुराने पंचर वाले को ढूंढ निकाला। वह परिवार के साथ छोटी-सी झोपड़ी में रह रहा था।

स्कूली दिनों में मेरी साइकिल को बेहद कम खर्च में दुरुस्त रखने के लिए मैंने उन्हें धन्यवाद दिया। उन बहुत-सी मुफ्त मरम्मतों के बदले जब मैंने कुछ पैसे उनकी जेब में रखे तो वो रो पड़े।

गली में लौटते वक्त मुझे एहसास हुआ कि कभी जो रौनक वहां हुआ करती थी, अब गायब हो चुकी।

अगर आप अपने स्कूल के बाहर 'बेर' बेचने वाली उन बुजुर्ग महिला से नहीं मिले हैं, जो चंद सिक्कों में नमक लगे उबले 'बेर' देती थीं, तो एक बार उन्हें ढूंढिए। उनसे मिलिए। वो नहीं, बल्कि आप अच्छा महसूस करेंगे। यही कमी मुझे इस वीकेंड मुंबई में महसूस हुई। मेरी गली के आखिर में स्नैक्स

और फूल बेचने वाली 'गजरा वाली' महिला गायब थीं। मुझे बताया गया कि रसोई गैस के बढ़ते दामों के कारण उन्हें काम बंद करना पड़ा। इसी सड़क पर हर सुबह एक दूधवाला बीते पच्चीस साल से बैठता है। हड़ताल, बाढ़ या तूफान में भी वह कभी वहां से एक इंच भी नहीं हटा। कभी-कभार जब वो नहीं आता था तो उसके ग्राहक ही नहीं, बल्कि वहां से गुजरता हर राहगीर भी पूछता कि 'आज दूधवाले को क्या हुआ?' जो चीजें हमारा ध्यान खींचती हैं, वो कभी अस्थायी विज्ञापन या नया इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं होता।

यह उन छोटे कारोबारों की गैर-मौजूदगी होती है, जिन्होंने हमें बड़े होते देखा। ये लोग महज दुकानदार नहीं हैं, बल्कि वो जाने-पहचाने चेहरे हैं, जो शहर की आर्थिक-सामाजिक रफ्तार बनाए रखते हैं।

आधुनिक कमाई के तरीके निर्माण कार्यों का पैसा दे सकते हैं, लेकिन यदि ये छोटे कारोबार बंद हो जाएं तो वे कभी उस समुदाय में फिर से जान नहीं फूंक सकते। फंडा यह है कि सच्ची प्रगति महज इंफ्रास्ट्रक्चर और विज्ञापन की कमाई से नहीं मापी जाती। हमें सुनिश्चित करना होगा कि आधुनिक विकास उन छोटे और साधारण व्यवसायों को खत्म न कर दे, जो किसी शहर की धड़कन होते हैं। एन. रघुरामन

क्यों शिक्षा किसी भी करियर की 'सबसे अहम बीज' है?

नागेश एक स्थानीय कॉलेज में लेक्चरर थे। उन्हें खुशी थी कि अपने खेतीबाड़ी के पारिवारिक पेशे की तुलना में उन्हें यहां विद्यार्थियों से खूब सम्मान मिलता था। उनका परिवार पूरी तरह खेती पर निर्भर था और परिजनों को भरोसा था कि उनकी एक एकड़ जमीन हमेशा परिवार का पेट भरती रहेगी। इसी पारिवारिक दबाव के चलते 31 साल के इस लेक्चरर ने नौकरी छोड़ कर बेंगलुरु के निकट परिवार की जमीन पर खेती करने का फैसला किया। खीरे की अच्छी फसल की उम्मीद में उन्होंने श्रीगंगाधरेश्वर ट्रेडर्स से संपर्क किया, जिसने उसे सुवर्णा हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के एफ-1 हाइब्रिड

'शांति कुकंबर' के बीज लेने का सुझाव दिया। नागेश ने 19 जुलाई, 2023 को 1750 रुपए में बीज के पांच पैकेट खरीदे और उसी दिन बो दिए। इसी दौरान उन्हें आईविज सीड्स के 'चित्रा कुकंबर' के दो पैकेट भी मिले और उन्होंने वो भी बो दिए। नागेश ने जमीन तैयार करने, खाद, मजदूरी, ट्रैक्टर किराया, क्यारी बनाने, बांस लगाने, सिंचाई का सामान लेने, उर्वरक और कीटनाशकों सहित खेती पर करीब 1.1 लाख रुपए खर्च किए। लेकिन शुरुआत में ही समस्या आ गई।खराब अंकुरण के कारण 'शांति कुकंबर' वाले पौधों की बढ़ोतरी रुक गई। यह फसल रंग और आकार में कमजोर रही। नागेश ने आपत्ति जताई तो डीलर ने उन्हें निर्माता के पास भेजा।कंपनी के प्रतिनिधि खेत पर आए, फसल देखी, फोटो ली और मामला आगे भेजने का भरोसा दिया। फिर एक अन्य व्यक्ति के साथ आया, जिसे वह वैज्ञानिक बता रहा था। उन्होंने भी आश्वासन दिया कि मुआवजे पर विचार करेंगे।

भागवत बोले- मुसलमानों को भारत से निकालना हिंदुत्व नहीं,धर्म अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक, सभी रास्ते ईश्वर तक जाते हैं

न्यूयॉर्क। आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने कहा, 'अगर कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुस्लिम नहीं होने चाहिए, तो वह

हिंदू नहीं रह सकता। हिंदू होने का मतलब यह मानना है कि सभी रास्ते एक ही लक्ष्य की ओर जाते हैं और हर इंसान की गरिमा एक समान है।' उन्होंने यह बात शनिवार को न्यूयॉर्क के 'वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी' कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि वे खुद कोई धार्मिक विद्वान नहीं हैं। जिस समाज में वे काम करते हैं, उसकी परंपरा मानती है कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है। सभी रास्ते ईश्वर तक जाते हैं। भागवत शनिवार देर रात यानी भारतीय समयानुसार एक बजे न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भी स्पीच देंगे। इस कार्यक्रम में करीब 5,000 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। भागवत ने कहा- धर्म हमें सत्य की ओर ले जाता है, 4 बातेंः- इंसान अपने दिमाग के 'सॉफ्टवेयर' का कैदीः सत्य एक है और मानवता उसी सत्य की उपज है, इसलिए पूरी मानवता एक है। हालांकि, लोग अपनी समझ और नजरिए के हिसाब से एक ही सत्य को अलग-अलग तरीके से व्यक्त करते हैं। इंसान अपने दिमाग में बने 'सॉफ्टवेयर' का कैदी है। यह सॉफ्टवेयर उसकी सोच और सत्य को समझने के तरीके को प्रभावित करता है। कर्मकांडों का अनुशासन भी जरूरीः आज की दुनिया में धर्मों को काफी हद तक उनके अनुष्ठानों और कर्मकांडों से परिभाषित किया जाता है। धार्मिक अनुशासन का पालन करने और दिव्यता की ओर बढ़ने के लिए कर्मकांडों का यह अनुशासन भी आवश्यक है। एक विश्व, एक मानवता परंपरा आज भी हैः इतिहास के दौरान किसी तरह ऐसा हुआ। मैं यह नहीं बता सकता कि वह क्षण कौन-सा था। उसके बाद हमारा समाज और हमारा देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बना और बहुत-सी चीजें नष्ट या खो गईं। लेकिन वह परंपरा आज भी मौजूद है, जो आम लोगों को यही सिखाती है। एक विश्व, एक मानवता लेकिन, जैसा आपने कहा, लोग अपने साथ अनावश्यक रूप से एक तरह का 'बोझ' लेकर चलते हैं। राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गईः मानवता की एकता भारत की पारंपरिक सोच है और अलग-अलग समय में देश के नेताओं ने भी इस पर जोर दिया है। आजादी के बाद बने संविधान में भी इस विचार को महत्व दिया गया, लेकिन यह सोच पूरी तरह जमीन पर नहीं उतर पाई है। ऐसी चीजें केवल राजनीति के जरिए हासिल नहीं की जा सकतीं। राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है। जहां 'मैं' और 'मेरा' की भावना होती है, वहां समाधान नहीं निकलता। इसके उलट 'हम और हमारा' ही समाधान का रास्ता है। भारत के अनुभव से यह समझ मिलती है कि बदलाव की शुरुआत राजनीति से नहीं, बल्कि समाज से करनी होगी।ंएए प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में दुनिया के पहले इस्कॉन सेंटर का दौरा किया था। मंदिर में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि आज दुनिया में कई तरह के संघर्ष हैं। ऐसे समय में 'कृष्ण चेतना' शांति ला सकती है। भागवत 26 सेकंड एवेन्यू स्थित उस जगह पर भी पहुंचे, जहां स्वामी प्रभुपाद ने जुलाई 1966 में इस्कॉन की स्थापना की थी। इसे मैचलैस गिफ्ट्स भी कहा जाता है। इस्कॉन इस साल अपनी स्थापना की 60वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस्कॉन के 120 देशों में 1,300 मंदिर हैं। 58 साल पुराना है अमेरिका का मैडिसन स्क्वायर गार्डन-मैडिसन स्क्वायर गार्डन (एमएसजी) न्यूयॉर्क शहर के मैनहैटन में स्थित एक मशहूर इनडोर एरिना है। यहां स्पोर्ट्स इवेंट, कंसर्ट, कॉमेडी शो और बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। मौजूदा मैडिसन स्क्वायर गार्डन 1968 में बना। इसे 11 फरवरी 1968 को खोला गया। यह एमएसजी नाम की चौथी इमारत है। इससे पहले इसी नाम से तीन और एरिना बन चुके थे। डोनाल्ड ट्रंप ने 2024 में न्यूयॉर्क में अपनी राजनीतिक वापसी के दौरान यहां बड़ा कार्यक्रम किया था। रिपब्लिकन पार्टी का राष्ट्रीय सम्मेलन 2004 में और डेमोक्रेटिक पार्टी के सम्मेलन 1976, 1980 और 1992 में यहां हुए थे।

सीजेआई बोले-गंभीर मामलों में न्यायपालिका संसद का इंतजार नहीं करती,डिजिटल अरेस्ट पर केंद्र को कठोर कानून बनाने के लिए कहा

नयी दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए तरह के फ्रॉड पर संसद के कानून बनाने का इंतजार करने के बजाय सक्रिय

रूप से कार्रवाई करती है। उन्होंने शनिवार को लंदन में 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में यह बात कही। सीजेआई ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम पर स्वतः संज्ञान लिया है। इसमें ठग वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस अधिकारी, न्यायिक अधिकारी या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से धोखाधड़ी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2025 में डिजिटल अरेस्ट के एक मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने केंद्र और राज्यों से इस समस्या के स्तर का आकलन करने, अलग अपराध बनाने और नुकसान के अनुपात में सजा तय करने की दिशा में कदम उठाने को कहा था। जस्टिस सूर्यकांत सीजेआईः- आर्थिक अपराधों से निपटने की भारत की व्यवस्था किसी एक कानून पर नहीं, बल्कि दशकों में बनी कानून, संस्थानों और न्यायिक सिद्धांतों की बहुस्तरीय व्यवस्था पर आधारित है। सीजेआई ने मनी लॉन्ड्रिंग, केजरीवाल जमानत केस और भ्रष्टाचार पर भी बात की; 5 पॉइंट- 1. पीएमएलए कानून में दुरुपयोग की शिकायतेंः सूर्यकांत ने कहा कि पीएमएलए जैसी व्यवस्थाएं पूरी तरह अचूक नहीं हैं। कुछ लोगों ने जांच एजेंसियों पर इसके दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। इनमें गिरफ्तारी के स्पष्ट कारण नहीं बताने और जरूरत से ज्यादा हिरासत में रखने जैसी शिकायतें शामिल हैं। ऐसे मामलों में न्यायपालिका ने हस्तक्षेप कर राहत दी है। 2. गिरफ्तारी के कारण लिखित में देना जरूरीः गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में देना जरूरी है। केवल मौखिक रूप से कारण बताना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल बनाम सीबीआई मामले का भी जिक्र किया और कहा कि लंबे समय तक मुकदमे से पहले हिरासत में रखना सजा में नहीं बदलना चाहिए।3. मनी लॉन्ड्रिंग का पैसा वापस लाना चुनौतीः सूर्यकांत ने कहा कि दुनिया में हर साल बड़े पैमाने पर अवैध धन की मनी लॉन्ड्रिंग होती है। इसके मुकाबले 100 में से एक से भी कम हिस्सा वापस हासिल हो पाता है। ऐसे में अवैध संपत्ति की बरामदगी अब भी बड़ी चुनौती है। 4. कौटिल्य ने भी भ्रष्टाचार का जिक्र किया थाः सीजेआई ने करीब 2300 साल पुराने कौटिल्य के अर्थशास्त्र का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि इसमें सरकारी अधिकारियों द्वारा खजाने से धन निकालने के तरीकों का उल्लेख है। कौटिल्य ने सरकारी धन के लालच की तुलना जीभ पर रखे शहद या जहर का स्वाद लेने से की थी।5. आर्थिक अपराधों से निपटने में अंतरराष्ट्रीय सहयोगः सीजेआई ने कहा कि आर्थिक अपराध और अवैध पैसा अक्सर देशों की सीमाओं के पार चला जाता है।ऐसे मामलों में दूसरे देशों के साथ सहयोग जरूरी है। उन्होंने म्यूचुअल लीगल असिस्टेंटस ट्रीटी (एमएलएटी) को अवैध संपत्ति और धन को वापस लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। जस्टिस सूर्यकांत सीजेआईः- दुनिया में हर साल इतनी बड़ी मात्रा में मनी लॉन्ड्रिंग होती है। कि 8 अरब लोगों के लिए एक-एक लैपटॉप खरीदा जा सकता है और फिर भी पैसा बच जाएगा।

आतंकी पोर्न वेबसाइट्स पर सीक्रेट चैटिंग कर रहे,पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स इसी पर मैसेज भेजते

श्रीनगर। आतंकी टोर नेटवर्क का भी इस्तेमाल कर रहे- सुरक्षा एजेंसियों ने कई

खास डिजिटल टूल्स की जांच शुरू की है। आतंकी हैंडलर कोटेक्स और कोनियन जैसे टोर आधारित मैसेजिंग ऐप्स का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। ये ऐप्स डेटा को एन्क्रिप्टेड नोड्स के जरिए भेजते हैं और यूजर की पहचान छिपाते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भारत में कोनियन की एपीके फाइल तक पहुंच पर रोक है। एपीके यानी एंड्रॉयड पैकेज किट वह फाइल फॉर्मेट है, जिसका इस्तेमाल एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम मोबाइल ऐप्स को बांटने और इंस्टॉल करने के लिए करता है। चीन, फ्रांस के ऐप भी आतंकियों के फेवरेट- इसके अलावा, आतंकी फ्रांस बेस्ड ऐसे ऐप का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसमें सिम कार्ड या फोन नंबर की जरूरत के बिना एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग की सुविधा है। इससे यूजर की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। एजेंसियां वियतनाम आधारित ऐप्स की भी निगरानी कर रही हैं। इसके साथ ही मूनचैट जैसे गुमनाम प्लेटफॉर्म भी जांच के दायरे में हैं। मूनचैट में पीजीपी-एन्क्रिप्टेड वर्जन शामिल हैं, जिनके चीनी मूल के होने का शक है और इनमें पारंपरिक रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं होती। मूनचैट के कई वर्जन ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल आसपास मौजूद सिंगल लोगों को खोजने के लिए किया जाता है। भारत में पोर्न एप्स वीपीएन के जरिए डाउनलोड हो रहे-अधिकारियों के मुताबिक, भारत में पोर्नोग्राफी वाले कई ऐप्स पर रोक है। इसके बावजूद इन्हें वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क यानी वीपीएन के जरिए गैरकानूनी तरीके से डाउनलोड किया जा रहा है। वीपीएन इंटरनेट पर एक सुरक्षित और एन्क्रिप्टेड कनेक्शन बनाता है। यह इंटरनेट प्रोटोकॉल एड्रेस छिपाता है और ऑनलाइन ट्रैफिक को एन्क्रिप्ट करता है, जिससे ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखना और डेटा तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। 2जी नेटवर्क पर भी चलने वाले ऐप्स का इस्तेमाल-सुरक्षा अधिकारियों ने पाया कि हैंडलर और घाटी में मौजूद आतंकी भर्ती किए गए लोग ऐसे खास ऐप्स पर निर्भर थे, जो धीमी 2जी या एज नेटवर्क स्पीड में भी काम करते हैं। इनमें से कुछ ऐप्स पर रजिस्ट्रेशन के लिए यूजर को फोन नंबर या ईमेल तक देने की जरूरत नहीं होती। नई रणनीति का खुलासा सुरक्षा बलों की विदेशी कंपनियों द्वारा बनाई गई वर्चुअल सिम के इस्तेमाल को रोकने की कोशिश के दौरान हुआ। वर्चुअल सिम ऐसी तकनीक है, जो कंप्यूटर को फोन नंबर बनाने की सुविधा देती है।इन नंबरों का इस्तेमाल खास ऐप्स के जरिए स्मार्टफोन पर किया जा सकता है और इससे डिजिटल निशान बहुत कम बचते हैं। इसका पहली बार खुलासा 2019 के पुलवामा आतंकी हमले की जांच के दौरान हुआ था। इस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवानों की मौत हुई थी।

नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में 898 कर्मचारी फंसे,6 इंच छेद कर पाइप से ऑक्सीजन पहुंचाई,बाढ़ से अब तक 750 मौतें

काठमांडू। कनाडाः विदेश मंत्री अनिता आनंद ने 50 लाख कनाडाई डॉलर की मदद का

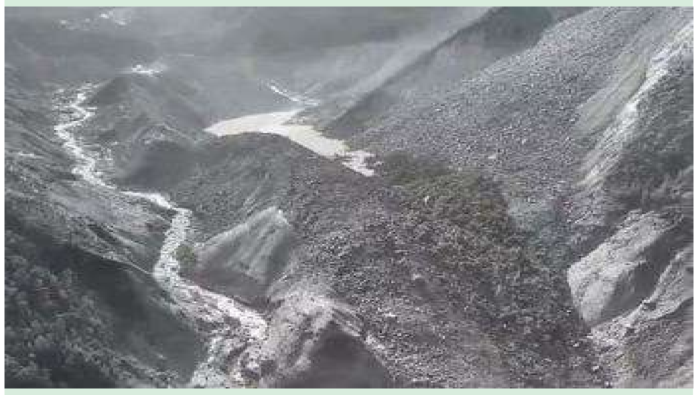

ऐलान किया है। यह राशि संयुक्त राष्ट्र, रेड क्रॉस और अन्य गैर-सरकारी संगठनों के जरिए राहत कार्यों में खर्च की जाएगी। अमेरिकाः अमेरिकी विदेश विभाग ने 5 लाख डॉलर की मदद देने की घोषणा की है। इससे आपातकालीन आश्रय, पानी, स्वच्छता और दूसरी जरूरी राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। चीनः नेपाल में चीन के राजदूत के मुताबिक, चीन ने भी आपातकालीन राहत सामग्री और आर्थिक मदद उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। तिब्बत सीमा के पास बनी झील का पानी निकला- नेपाल-चीन सीमा के पास बाढ़ के बाद बनी झील का ज्यादातर पानी प्राकृतिक रास्ते से निकल गया है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इससे निचले इलाकों में अचानक बड़ी बाढ़ आने का खतरा फिलहाल कम हो गया है। यह झील पिछले बुधवार को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद बनी थी। लांगटांग री पर्वत क्षेत्र में ग्लेशियर और चट्टानों का बड़ा हिस्सा टूटकर नदी में गिर गया था, जिससे नदी का बहाव रुक गया और वहां पानी जमा होकर झील बन गई। चीन के मुताबिक, झील में करीब 20 लाख घन मीटर पानी जमा था। आशंका थी कि प्राकृतिक बांध टूटने पर नेपाल और चीन के निचले इलाकों में फिर बड़ी बाढ़ आ सकती है। इसी वजह से दोनों देशों की एजेंसियां लगातार झील की निगरानी कर रही थीं। तिब्बत में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी मिलना इतना मुश्किल क्यों है? चीन ने 1950 के दशक में तिब्बत को अपने नियंत्रण में ले लिया था। तब से तिब्बत चीन के सबसे ज्यादा निगरानी वाले और कड़े नियंत्रण वाले इलाकों में शामिल है। बाढ़ की इस आपदा को चीन सरकार कितनी गंभीरता से ले रही है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने खुद राहत और बचाव के लिए निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री ली छियांग भी गुरुवार को घटनास्थल पर पहुंचे। किसी बड़ी आपदा के तुरंत बाद उनका इस तरह मौके पर पहुंचना काफी दुर्लभ माना जाता है। तिब्बत में पहुंचना विदेशी लोगों के लिए आसान नहीं है। वहां जाने के लिए विशेष वीजा की जरूरत होती है और विदेशी मीडिया के लिए वहां प्रवेश करना बेहद मुश्किल है। वहां मौजूद लोगों से सीधे संपर्क करना भी आसान नहीं है। नेपाल से तिब्बत होते हुए पवित्र कैलाश पर्वत की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए भी कई तरह की मंजूरियां जरूरी होती हैं। उन्हें कुल चार अलग-अलग परमिट लेने पड़ते हैं। यही वजह है कि तिब्बत में इस समय वास्तव में क्या हो रहा है, इसकी स्वतंत्र जानकारी जुटाना मुश्किल है।

मोदी बोले- युवा नशा मुक्ति थीम पर कंटेंट बनाएं,इस बार 8 करोड़ तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं,देश में एवाकाडो की मांग बढ़ी

नयी दिल्ली। मन की बात' का 137वां एपिसोड प्रसारित हो रहा है। पीएम ने कहा कि मन

की बात नए प्रयासों सामने लाने का मंच है। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को प्रमोट करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति जागरूकता से जुड़ा कंटेंट बनाने को कहा। पीएम ने कहा कि इस बार 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं और 'सूर्यपथ तिरंगा' के जरिए फिजी से लेकर दुनिया भर में तिरंगा शान से फहराया गया। फिजी के सुवा में सूर्य की पहली किरणों के साथ तिरंगा फहराया गया। इसके बाद, तिरंगा एशिया, अफ्रीका, यूरोप और फिर अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय मिशनों और चौकियों पर लहराता रहा। उन्होंने आगे कहा कि कहा कि देश में एवाकाडो की मांग तेजी से बढ़ रही है और किसान इसकी खेती से शानदार कमाई कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के कडपा में किसान वरदराज ने 4 टन एवोकाडो का उत्पादन कर स्थानीय बाजार में सप्लाई किया।मन की बात के 137वें एपिसोड की बड़ी बातें-गंगा घाट की सफाईः पीएम मोदी ने कहा कि स्वच्छता का संकल्प लोगों की अपनी आदत बन जाए तो पूरी जगह की पहचान बदल जाती है। उन्होंने यूपी के रामपुर स्थित पटवाई गांव के आकाश और रोहन का उदाहरण दिया, जिन्होंने 'क्लीन-अप पटवाई' टीम बनाकर युवाओं के साथ मिलकर चार गंगा घाटों की सफाई की, कई तालाब संवारे और एक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा हटाया। मिशन शक्तिसैटः पीएम मोदी बोले कि आज बेटियों के सपनों की उड़ान अंतरिक्ष तक पहुंच रही है। भारत के 'मिशन शक्तिसैट' के जरिए 108 देशों की 12 हजार छात्राओं को सैटेलाइट टेक्नोलॉजी सीखने और इनोवेशन का मौका मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 23 अगस्त को 'नेशनल स्पेस डे' पर इसकी एक खूबसूरत तस्वीर ग्रेटर नोएडा में देखने को मिली। अभिनेता उत्तम कुमार को याद कियाः पीएम मोदी ने कहा कि 3 सितंबर को महान अभिनेता उत्तम कुमार की जन्म-शताब्दी मनाई जाएगी। उन्होंने याद किया कि सत्यजीत रे ने फिल्म 'नायक' की स्क्रिप्ट उत्तम कुमार को ध्यान में रखकर ही लिखी थी। पीएम ने कहा कि शुरुआती असफलताओं के बावजूद उत्तम कुमार ने कभी हार नहीं मानी। वंदे मातरमः पीएम मोदी ने कहा कि अगस्त का महीना देशभक्ति के रंगों से भरा रहता है। 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने से यह साल और खास हो गया है।

सेना ने 18,600 फीट ऊंचाई पर मरीज को बचाया, तेज हवाओं के बीच खड़ी ढलान पर हेलिकॉप्टर का एक हिस्सा टिकाकर एयरलिफ्ट किया

कारगिल। भारतीय सेना के एविएशन पायलटों ने शनिवार को लद्दाख के कारगिल क्षेत्र के पास

स्थित नुन-कुन पर्वत पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और एक मरीज को सुरक्षित निकाला। 18,600 फीट की ऊंचाई पर तेज हवाओं और बेहद कठिन पहाड़ी इलाके के बीच यह बचाव अभियान बेहद मुश्किल था। खड़ी ढलान पर हेलिकॉप्टर उतारने के लिए कोई सामान्य लैंडिंग स्पेस नहीं था। पायलटों ने हेलिकॉप्टर को बेहद कम ऊंचाई पर स्थिर रखा। इसके बाद हेलिकॉप्टर का सिर्फ एक स्किड ढलान से टिकाया और उसे संतुलित रखा। इसके बाद मरीज को एयरलिफ्ट कर लिया। रेस्क्यू ऑपरेशन से पहले हेलिकॉप्टर से भारी सामान हटाया- 18,600 फीट की ऊंचाई पर हवा का दबाव कम होने से इंजन की क्षमता और रोटर से मिलने वाली लिफ्ट घट जाती है। इस स्थिति में उड़ान भरने के लिए हेलिकॉप्टर से सभी गैर-जरूरी उपकरण हटा दिए गए। हेलिकॉप्टर में केवल सीमित ईंधन रखा गया, ताकि लिफ्ट क्षमता बढ़ाई जा सके। साथ ही, मरीज को निकालने का अभियान पूरा करने के लिए जरूरी दूरी तय करने जितना ईंधन बचा रहे। हेलिकॉप्टर का स्किड क्या होता है- हेलिकॉप्टर के नीचे लगे दो लंबी पट्टीनुमा सपोर्ट को स्किड कहते हैं। ये पहियों की तरह काम करते हैं और हेलिकॉप्टर को जमीन पर उतरने और खड़े रहने में मदद करते हैं। जब हेलिकॉप्टर को समतल जमीन नहीं मिलती और जगह बहुत कम या ढलान वाली होती है, तब पायलट सामान्य तरीके से हेलिकॉप्टर नहीं उतार सकता। ऐसी स्थिति में वह सिर्फ एक स्किड को जमीन या ढलान पर टिकाकर हेलिकॉप्टर को संतुलित रखता है। इसे वन-स्किड लैंडिंग कहा जाता है। इस तकनीक का इस्तेमाल खासतौर पर पहाड़ी इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन, घायल या मरीज को निकालने और दुर्गम जगहों पर लोगों को उतारने-चढ़ाने के दौरान किया जाता है।

निहंगों ने मां की पिटाई करने वाले बेटे को पीटा,होशियारपुर में 20 सेकेंड में 9 डंडे मारे,बोले- आवाज नहीं आनी चाहिए

अमृतसर। होशियारपुर में मां से मारपीट करने पर एक व्यक्ति की निहंगों ने पिटाई कर दी। आरोप है कि वह नशे की हालत में अपनी मां को डंडों से पीटता था। महिला ने अपनी शादीशुदा बेटी को आपबीती बताई। जिसके बाद बेटी ने इसकी जानकारी निहंगों को दी। इसके बाद निहंग महिला के घर पहुंचे और उसके बेटे की पिटाई की। उसके दोनों हाथों को आगे करवाकर 20 सेकेंड के अंदर करीब 9 डंडे मारे। पीटाई करने के बाद बेटे से मां के पैर पकड़वाए और माफी भी मंगवाई। घटना 19 अगस्त की है, जिसका वीडियो अब सामने आया है। जिसे जत्थेदार गुरजीत सिंह गरजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। पहले जानिए वीडियो में क्या दिख रहा-55 सेकंड की वीडियो में दिखाई देता है कि एक निहंग व्यक्ति के हाथों पर 20 सेकेंड के अंदर 8 से 9 डंडे मारता है, जिस दौरान वह कांपता हुआ दिखाई देता है और निहंग

बोलते हैं तेरी आवाज नहीं आनी चाहिए- इसके आगे निहंग कहता है कि इसकी मां की पीठ पर नील पड़े हुए हैं, शरीर पर अन्य जगह भी निशान हैं, जो हम दिखा नहीं सकते। इसी दौरान मां बोलती है- इसने मुझे आपके जाने के बाद मारना है। तो एक निहंग बोलता है- माता मारने का अभी सवाल पैदा नहीं होगा। इसके बाद व्यक्ति को नीचे बैठाकर माफी मंगवाते हैं। निहंग बोलते हैं, माफी मांग। जिसके बाद माता अपने बेटे से कहती है, अब मुझे मत मारना। इसी दौरान एक निहंग बोलता है, इसको लेटाओ। साथ ही पूछते हैं, अब मारेगा? तो व्यक्ति कहता है, नहीं। मां ने बेटी को बताई थी आपबीती-मामला होशियारपुर जिले में टांडा के पास स्थित गांव जांझा का है। हालांकि महिला और उसके बेटे का नाम सामने नहीं आया है। निहंग दिलदार सिंह के अनुसार, महिला ने अपनी शादीशुदा बेटी को बताया था कि उसका बेटा नशे की हालत में उसके साथ मारपीट करता है। इसके बाद बेटी ने इसकी जानकारी निहंगों को दी। जानकारी मिलने पर चार निहंगों की टीम महिला के घर पहुंची। निहंग दिलदार सिंह ने कहा कि इससे पहले महिला ने बेटे के खिलाफ पुलिस को भी शिकायत दी थी, लेकिन इसके बावजूद उसके व्यवहार में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उसने अपनी बेटी को पूरी कहानी बताई, तो हमें जानकारी मिली। व्यक्ति अनमैरिड है। उसके पिता की 4 साल पहले मौत हो चुकी है।

मध्यप्रदेश के चित्रकूट में बाढ़, 300मीटर लंबा बड़ा पुल बहा,यूपी के 47 जिलों में बारिश का अलर्ट

चित्रकूट। मध्यप्रदेश में लगातार बारिश से सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्रकूट में 18 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश से भीषण बाढ़ के हालात हैं। मंदाकिनी नदी करीब 30 फीट ऊंची बह रही है। तेज बहाव में रामघाट का 300 मीटर लंबा पुल बह गया। टोन्स हाइडल प्रोजेक्ट से पानी छोड़े जाने से पहले 36 गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। यूपी, बिहार सहित देश के 4 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के 47 शहरों में आंधी-बारिश की संभावना है। ओडिशा के तीन जिलों में 67,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, वहीं मौसम विभाग ने राज्य के उत्तरी और तटीय क्षेत्रों में 2 सितंबर तक भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है, जिससे स्थिति और खराब हो सकती है। चमोली और रुद्रप्रयाग में मूसलाधार बारिश-देहरादून में शुक्रवार दोपहर बाद हुई लगातार दो घंटे की जोरदार बारिश से प्रमुख सड़कें पानी में डूब गईं और शहर के कई हिस्सों में घुटनों तक जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कों पर पानी भरने से दून अस्पताल चौक, घंटाघर, सहारनपुर रोड और आईएसबीटी के आसपास घंटों लंबा ट्रैफिक जाम लगा रहा, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। राजस्थान में 17 जिलों में सूखे जैसे हालात-राजस्थान में बारिश नहीं होने और धूप रहने से जयपुर, टोंक, अलवर समेत 15 शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ।

क्या आप भी रोज चिप्स खाते हैं,डोपामिन के साथ बढ़ती डायबिटीज, हार्ट डिजीज का खतरा, क्रेविंग कम करने की 13 टिप्स

नयी दिल्ली। आज की फास्ट लाइफस्टाइल में चिप्स और फ्रेंच फ्राइज सिर्फ एक स्नैक नहीं, बल्कि आदत बन चुके हैं। हल्की भूख हो, मूवी देखनी हो या बस टाइम पास करना हो, हाथ अपने-आप पैकेट

की तरफ बढ़ जाता है। लेकिन स्वाद और क्रंच के पीछे छिपा सच इतना हल्का नहीं है। रोजाना खाए जाने वाले ये चिप्स धीरे-धीरे शरीर के अंदर कई गंभीर बदलाव शुरू कर देते हैं। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, चिप्स में मौजूद हाई सैचुरेटेड फैट से हाइपरटेंशन, कोरोनरी हार्ट डिजीज और डायबिटीज की रिस्क बढ़ता है। ये एक गंभीर चेतावनी है, क्योंकि बहुत से लोग स्नैक की तरह रोजाना चिप्स खाते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज हम डेली चिप्स खाने के हेल्थ रिस्क पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- जब हम चिप्स खाते हैं तो शरीर में क्या होता है? चिप्स खाने की आदत को कैसे कंट्रोल करें? सवाल- अगर कोई रोज चिप्स खाए तो उससे शरीर पर क्या असर पड़ता है? जवाब- शुरुआत में यह मामूली आदत लग सकती है, लेकिन धीरे-धीरे इसका शरीर पर नकारात्मक असर पड़ता है। सवाल- चिप्स खाने से इन बीमारियों का रिस्क क्यों बढ़ जाता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- 1. मोटापा (ओबिसिटी) चिप्स में कैलोरी और फैट हाई होता है। 50 ग्राम चिप्स में करीब 400 कैलोरी होती है। इसे खाने के बाद सेटायटी (संतुष्टि) नहीं होती। चिप्स का सारा फैट पेट और कमर पर जमा होता है। रिजल्ट- इससे मोटापा, फैटी लिवर, हॉर्मोनल असंतुलन का रिस्क बढ़ जाता है। 2. हार्ट डिजीज- चिप्स में ट्रांस फैट प्लस सैचुरेटेड फैट ज्यादा होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) बढ़ता है। गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) घटता है। आर्टरीज में फैट जमने लगता है। रिजल्ट- हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है-3. हाई ब्लड प्रेशर-चिप्स में नमक बहुत ज्यादा होता है। इससे शरीर में वाटर रिटेंशन होता है और ब्लड वॉल्यूम बढ़ता है। रिजल्ट- बीपी बढ़ता है। इससे हार्ट और किडनी पर दबाव बढ़ता है। 4. किडनी पर असर-ज्यादा नमक और तेल किडनी पर दबाव डालते हैं। इससे किडनी को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। रिजल्ट- किडनी फंक्शन कमजोर होता है। क्रॉनिक किडनी डिजीज का रिस्क बढ़ता है। 5. डायबिटीज का खतरा-रिफाइंड कार्ब्स तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाते हैं। बार-बार शुगर स्पाइक होता है। इससे इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ता है। रिजल्ट- टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क बढ़ता है। 6. ब्रेन और मूड पर असर-हैप्पी हॉर्मोन 'डोपामिन' स्पाइक होता है। इससे अच्छा महसूस होता है। बार-बार खाने की क्रेविंग बढ़ती है। रिजल्ट- मूड स्विंग और चिड़चिड़ापन बढ़ता है। लंबे समय में फोकस और मेमोरी पर असर पड़ता है।7. डाइजेस्टिव सिस्टम-फाइबर नहीं होता है। ज्यादा खाने से गट माइक्रोबायोम बिगड़ता है। रिजल्ट- कब्ज, गैस, ब्लोटिंग की समस्या होती है। इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। 8. कैंसर का रिस्क-हाई टेम्परेचर पर तलने से एक्रिलामाइड नामक केमिकल बनता है। यह शरीर के लिए टॉक्सिक माना जाता है रिजल्ट- लंबे समय में कैंसर का रिस्क हो सकता है। 9. इम्यूनिटी पर असर- ट्रांस फैट इम्यून सेल्स की कार्यक्षमता को कम करता है। इससे शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है। रिजल्ट- धीरे-धीरे इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। सवाल- अगर कोई रोज एक पैकेट (48 ग्राम) चिप्स खाए तो वह साल भर में कितना नमक, चीनी और पाम ऑयल खाएगा? जवाब- 48 ग्राम के एक पैकेट चिप्स में औसतन 1.3 ग्राम नमक, 11.4 ग्राम चीनी और 46 ग्राम पाम ऑयल (फैट) होता है। अगर कोई एक पैकेट चिप्स रोज खाता है तो वह साल भर में कितना नमक, चीनी और तेल कंज्यूम करेगा। चिप्स में नमक, चीनी और तेल के अलावा कई हिडेन कंपाउंड्स होते हैं, जो लंबे समय में शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सवाल- क्या कोई ऐसी साइंस स्टडी या रिसर्च है, जो बताए कि चिप्स खाना सेहत के लिए नुकसानदायक है? जवाब- हां, आपको शायद ये जानकर आश्चर्य हो कि अब तक लाखों लोगों पर हुई 100 से ज्यादा साइंस स्टडीज ये साबित कर चुकी हैं कि चिप्स खाने से मेटाबॉलिक बीमारियों को रिस्क बढ़ता है। निष्कर्ष- जो लोग चिप्स ज्यादा खाते हैं, उनमें डायबिटीज का रिस्क लगभग 3 गुना तक ज्यादा होता है। सवाल- क्या रोज चिप्स खाने से इसकी लत भी लग सकती है? जवाब- हां, चिप्स में नमक, फैट और फ्लेवर का ऐसा कॉम्बिनेशन होता है, जो ब्रेन में हैप्पी हॉर्मोन 'डोपामिन' बढ़ाता है। इससे बार-बार खाने की क्रेविंग पैदा होती है, जो धीरे-धीरे लत में बदल सकती है। सवाल- क्या चिप्स छोटे बच्चों के लिए ज्यादा नुकसादायक है? जवाब- हां, छोटे बच्चों के लिए चिप्स ज्यादा नुकसानदायक है, क्योंकि उनका शरीर और इम्यून सिस्टम डेवलविंग फेज में होता है। बच्चे का विकास प्रभावित हो सकता है। किडनी और हार्ट पर दबाव पड़ता है। दांतों में कैविटी हो सकती है। ज्यादा खाने से वजन तेजी से बढ़ता है। जंक फूड की आदत से इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है।

हमारी शादी हुई हैं जल्द ही हम माता-पिता बनने वाले हैं पर अनुभव की कमी हैं,अच्छा अभिवावक बनने के लिए सबसे जरूरी क्या है?

जयपुर। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं अहमदाबाद से हूं। मेरी शादी

को 3 साल हो गए हैं। जल्द ही हम पेरेंट बनने वाले हैं। जाहिर है, इस कारण हमारी एंग्जाइटी भी थोड़ी बढ़ी हुई है। हम पेरेंटिंग पर तमाम किताबें पढ़ रहे हैं, पॉडकास्ट सुन रहे हैं। हालांकि ये सब पढ़ना-सुनना और कनफ्यूज कर रहा है। क्या आप हमें कुछ बेसिक टिप्स दे सकते हैं कि हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। जवाब- सबसे पहले आप दोनों को इस नई यात्रा के लिए बहुत बधाई। पढ़कर खुशी हुई कि आप इस नई जिम्मेदारी से पहले खुद को तैयार कर रहे हैं। अवेयरनेस ही अच्छी पेरेंटिंग की पहली सीढ़ी है। सबसे पहले तो ये समझिए कि जब बच्चा दुनिया में आता है तो उसे सुख-सुविधाओं वाले पेरेंट्स से ज्यादा हैप्पी पेरेंट्स की जरूरत होती है। माता-पिता का खुश रहना ही बच्चे के लिए सबसे खूबसूरत तोहफा है। वियतनामी बौद्ध भिक्षु और मशहूर राइटर तिक न्यात हन्ह ने अपनी किताब 'फिडिलिटीः हाउ टू क्रिएट लविंग रिलेशनशिप दैट लास्ट्स' में इस बारे में लिखा है-किताबें पढ़ना और पॉडकास्ट सुनना अच्छी बात है, क्योंकि ये हमें दिशा देते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि पेरेंटिंग की असली नींव किसी ट्रेंड या तकनीक पर नहीं, बल्कि घर के माहौल पर टिकी होती है। बच्चा सबसे पहले अपने आसपास के वातावरण से ही सीखता है। अच्छी पेरेंटिंग कोई हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग करना या सुपर मॉम-डैड होना नहीं है। पेरेंट होने की जो एकदम बेसिक जिम्मेदारी है, वो है बच्चे को अनकंडीशनल प्यार और सिक्योरिटी देना।अक्सर हम बच्चे के आने की तैयारी कपड़ों, खिलौनों और कमरे की सजावट से करते हैं। लेकिन भावनात्मक तैयारी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि पेरेंटिंग की असली शुरुआत बच्चे के जन्म से पहले हमारी सोच, हमारे रिश्ते और हमारे धैर्य से हो जाती है। ऐसे में नए पेरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे खुद को मानसिक रूप से तैयार करें। यह समझें कि पेरेंटिंग कोई परफॉर्मेंस नहीं है, बल्कि यह सीखने की निरंतर प्रक्रिया है। आप जितने मजबूत और संतुलित होंगे, बच्चे को उतना ही सुरक्षित और खुशहाल माहौल दे पाएंगे। इस तैयारी को आसान बनाने के लिए यह छोटी-सी चेकलिस्ट मददगार हो सकती है-इमोशनली तैयार रहें पेरेंटिंग सिर्फ फिजिकल नहीं, इमोशनल जिम्मेदारी भी है। बच्चे के आने के बाद आपकी नींद, रूटीन और प्राथमिकताएं बदलती हैं। अगर आप मानसिक रूप से तैयार रहेंगे तो बदलाव को स्वीकार करना आसान होगा और बच्चे को ज्यादा स्थिर माहौल दे पाएंगे। अपने रिश्ते में मधुरता रखें-बच्चे बड़े होते हुए पेरेंट्स के रिश्ते को देखते और महसूस करते हैं। अगर घर में आपसी सम्मान और प्यार है तो वही उनके व्यवहार में भी झलकता है। पार्टनर के साथ स्वस्थ और संतुलित रिश्ता बनाए रखना पेरेंटिंग का अहम

हिस्सा है। सुनने की आदत डालें- अक्सर पेरेंट्स बच्चों को समझाने पर ज्यादा ध्यान देते हैं, उन्हें सुनने पर कम। लेकिन एक अच्छा पेरेंट वही है, जो बच्चे की बातों, भावनाओं और छोटे-छोटे एक्सप्रेशंस को ध्यान से समझे। इससे बच्चे को यह महसूस होता है कि उसकी बात मायने रखती है। इसलिए अभी से सुनने की आदत डालें। धैर्य का अभ्यास करें-बच्चे तुरंत नहीं सीखते, वे धीरे-धीरे समझते हैं। एक ही गलती बार-बार दोहराते हैं। ऐसे में गुस्सा करने की बजाय धैर्य रखना जरूरी है।

आपका शांत-सरल व्यवहार ही बच्चे को सही मार्गदर्शन देता है। गलतियां स्वीकारना सीखें- कोई भी पेरेंट परफेक्ट नहीं होता। अगर गलती हो जाए तो उसे स्वीकार करें।

इससे बच्चा भी अपनी गलतियों को स्वीकारना सीखता है और रिश्ते में भरोसा बढ़ता है। पेरेंटिंग को 'प्रोजेक्ट' न समझें- पेरेंटिंग कोई टास्क या प्रोजेक्ट नहीं है, जिसे परफेक्ट तरीके से पूरा करना है।

'सलमान नशे में था, मुझे गालियां दीं', सुभाष घई ने बताया- झगड़े के बाद सलीम ने सलमान को माफी मांगने के लिए भेजा था

मुंबई। फिल्ममेकर सुभाष घई ने हाल ही में बताया कि सलमान खान के साथ हुए उनके झगड़े

के बाद सलीम खान ने सलमान को उनसे माफी मांगने के लिए भेजा था। यह घटना फिल्म 'युवराज' में दोनों के साथ काम करने से पहले हुई थी। घई के मुताबिक, एक पार्टी में सलमान ने कथित तौर पर उन्हें गालियां दी थीं और दोनों के बीच हाथापाई भी हुई थी। टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में सुभाष घई ने बताया, 'युवराज के लिए सलमान खान के भाई ने मुझसे संपर्क किया और कहा, 'आप सलमान के साथ फिल्म क्यों नहीं बनाते?' मैंने कहा, 'क्या सलमान इसके लिए तैयार हैं? क्योंकि मैंने उनके साथ कभी काम नहीं किया।' उन्होंने कहा, 'वह तैयार हैं।'' इसके बाद घई ने फिल्म की कहानी लिखी। उन्होंने कहा, 'मेरी चुनौती यह थी कि मुझे एक ऐसे किरदार में एक्टर को लेना था, जिसे उसने पहले कभी नहीं निभाया हो।' बता दें कि फिल्म 'युवराज' में सलमान खान के साथ अनिल कपूर और कैटरीना कैफ भी थीं। इसके बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस नहीं हो पाई। घई बोले- स्टार इमेज किरदार पर भारी पड़ सकती है फिल्म के कामयाब नहीं होने पर घई ने कहा, 'कई बार ये किरदार इसलिए काम नहीं करते, क्योंकि स्टार किरदार पर हावी हो जाता है। वह किरदार निभाने के बजाय खुद को ही निभाता है।' घई ने आगे कहा, 'एक समय के बाद स्टार खुद का ही कैरिकेचर बन जाते हैं। आप कितनी बार खुद को दोहरा सकते हैं? बच्चन साहब यानी अमिताभ बच्चन को सलाम है कि उन्होंने इतने सारे किरदार निभाए हैं।' पार्टी में सलमान से हुआ था झगड़ा- घई ने झगड़े वाली घटना को याद करते हुए कहा, 'फिल्म से पहले हमारा झगड़ा हुआ था। हाथापाई हुई थी। इसके बाद उनके (सलमान) पिता ने उन्हें डांटा था।' उन्होंने बताया, 'हम एक पार्टी में थे। सलमान नशे में थे। वह कुछ गलत बात कह रहे थे, तो मैंने उनसे कहा, 'ऐसा मत कहो।' उन्हें मुझसे किसी बात की नाराजगी थी।' घई ने कहा, 'उन्होंने मुझसे पूछा, 'तुमने यह या वह क्यों किया?' मैंने कहा कि डायरेक्टर के तौर पर यह मेरा फैसला है। वह मुझे गालियां देने लगे। मैंने उनसे ऐसा नहीं करने को कहा। इसके बाद वहां हमारा झगड़ा हो गया।' सलीम खान ने सलमान को माफी मांगने भेजा- घई के मुताबिक, इस बहस के बाद सलीम खान ने मामले को सुलझाया। उन्होंने कहा, 'अगली सुबह सलीम साहब ने मुझे फोन किया और बताया कि सलमान ने अपनी मां को ये सारी बातें बता दी थीं।' घई ने कहा, 'उन्होंने बताया कि मैंने (सलीम) उसे डांटा है।

इसके बाद उन्होंने सलमान को मेरे घर माफी मांगने के लिए भेजा। सलमान आए और उन्होंने शालीनता से माफी मांगी।' उन्होंने आगे कहा, 'इसके बाद मैं उन्हें पसंद करने लगा, क्योंकि वह अपने पिता की बहुत इज्जत करते थे। मैंने उस बात को वहीं खत्म कर दिया। हम अक्सर एक-दूसरे के घर जाते थे। इसके बाद हमने साथ में एक फिल्म की।'

आई एलर्जी के मामले,ये 9 संकेत दिखें तो न करें इग्नोर, एक्सपर्ट से समझें जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली।तेज धूप और गर्म हवा आंखों को प्रभावित

करती है। इससे आंखों में जलन और रेडनेस की समस्या हो सकती है। आमतौर पर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ये किसी बड़ी परेशानी का संकेत भी हो सकता है। अल्ट्रावायलेट एक्सपोजर, डिहाइड्रेशन और धूल-मिट्टी आंखों को प्रभावित करते हैं। इससे आई-इन्फेक्शन हो सकता है। इसलिए गर्मियों में आई एलर्जी के केस बढ़ जाते हैं। आज 'जरूरत की खबर' में समझेंगे कि गर्मी का आंखों पर क्या असर पड़ता है। साथ ही जानेंगे कि-किन लोगों को आई-इन्फेक्शन का रिस्क ज्यादा होता है? आई इन्फेक्शन से बचने के आसान टिप्स क्या हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. श्रेया गुप्ता, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल- गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर और तेज धूप का आंखों पर क्या असर पड़ता है? जवाब- गर्मियों में ये तीन चीजें होती हैं- धूप तेज होती है, तापमान बहुत ज्यादा होता है। अल्ट्रावायलेट किरणों का असर बढ़ जाता है। वातावरण में नमी, धूल-मिट्?टी और प्रदूषण बढ़ जाते हैं। ये तीनों फैक्टर आंखों पर ये प्रभाव डालते हैं- तेज धूप में अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों

की बाहरी परत (कॉर्निया) और लेंस को नुकसान पहुंचा सकती हैं। लंबे समय में मोतियाबिंद का खतरा बढ़ सकता है। गर्मी और लू से आंखों की नमी जल्दी कम होती है, जिससे ड्राईनेस, जलन और रेडनेस बढ़ती है। तेज रोशनी में आंखें खोलना मुश्किल होता है और सिर या आंखों में दर्द हो सकता है। लंबे समय तक धूप में रहने से विजन कुछ समय के लिए धुंधला हो सकता है। गर्मियों में धूल, पसीना और प्रदूषण बढ़ता है, जिससे आंखों में एलर्जी, खुजली और इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है। गर्मियों में तापमान बढ़ने से आंखों की नमी जल्दी कम हो जाती है, जिससे ड्राईनेस बढ़ती है। ड्राई आई सिंड्रोम, आई एलर्जी, आई स्ट्रेन (थकान) आंखों में जलन, दर्द, आंखों में खुजली, आंखों से पानी आना, आंखों में धुंधलापन, केराटायटिस (कॉर्निया में सूजन) कंजंक्टवाइटसि, फोटोफोबिया, मोतियाबिंद। सवाल- आंखों के कौन-से लक्षण नजरअंदाज नहीं करने चाहिए? क्या गर्मियों में ये ज्यादा गंभीर हो सकते हैं? जवाब- आंखों में लगातार दर्द या तेज जलन होना सामान्य नहीं है। अचानक धुंधला या कम दिखाई देना किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। गर्मियों में ये गंभीर हो सकते हैं- आंखों की थकान, आंखों में दर्द, जलन या चुभन, रोशनी से परेशानी, रेडनेस चिपचिपा डिस्चार्ज, ज्यादा पानी, धुंधला, आना, दिखना, सूजन, सवाल- आंखों के संक्रमण और एलर्जी के मुख्य रिस्क फैक्टर्स क्या हैं? जवाब-

गर्मियों में ज्यादा तापमान और पसीने से आंखों के आसपास बैक्टीरिया व वायरस बढ़ सकते हैं। धूल-मिट्टी और प्रदूषण आंखों की सतह को इरिटेट करके एलर्जिक रिएक्शन बढ़ाते हैं। युवी किरणें आंखों की प्रोटेक्टिव लेयर को कमजोर कर सकती हैं। गंदे हाथों से आंख छूने या तौलिया-रूमाल शेयर करने से संक्रमण फैलता है।स्विमिंग पूल के क्लोरीन या दूषित पानी से आंखों में जलन व इन्फेक्शन हो सकता है।सवाल- डिहाइड्रेशन होने पर आई हेल्थ और विजन कम्फर्ट पर क्या असर पड़ता है? जवाब- शरीर में पानी कम होने से आंखों पर ये प्रभाव पड़ते हैं- इससे आंखों में ड्राईनेस हो सकती है। आंखों का लुब्रिकेशन घटने से असहजता बढ़ती है। पलक झपकाने पर चुभन या किरकिरापन महसूस हो सकता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से फोकस करने में कठिनाई हो सकती है। इससे विजन कम्फर्ट कम हो सकता है। आंखों की सतह पर माइक्रो-डैमेज का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- किन लोगों को समर सीजन में आई प्रॉब्लम्स का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों को रिस्क ज्यादा होता है- जो तेज धूप या गर्म वातावरण में काम करते हैं। जो एयर-कंडीशन या सूखे वातावरण में लंबे समय तक रहते हैं। जो कॉन्टैक्ट लेंस यूज करते हैं। छोटे बच्चे, जो अपनी आंखों की सेफ्टी नहीं रख सकते हैं।

बुजुर्ग, जिनकी आंखों में आंसू बनने की क्षमता कम हो गई है। जो एलर्जी-प्रोन हैं और जिनकी आंखें सेंसिटिव हैं। जो ऐसे मेडिकेशन पर हैं, जिससे आंखों की ड्राईनेस बढ़ती है। सवाल- अगर पहले से ड्राई आई, एलर्जी की समस्या है तो गर्मियों में क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

जवाब- इसके लिए ये सावधानियां बरतना जरूरी है- आंखों को धूल और धूप से बचाने के लिए प्रोटेक्टिव सनग्लासेस पहनें। डॉक्टर द्वारा बताई दवा या आई ड्रॉप लें। आंखों को रगड़ने की आदत से बचें, इससे सूजन बढ़ सकती है। आंखें और चेहरा नियमित रूप से साफ रखें। एलर्जी ट्रिगर्स जैसे पोलन (परागकण) या धुएं से दूर रहें। जरूरत पड़ने पर ठंडी पट्टी से आंखों को आराम दें।

सवाल- गर्मियों में आई-हेल्थ के लिए डाइट और हाइड्रेशन कैसा होना चाहिए? जवाब- इसके लिए इन बातों का ध्यान रखें- रोज 2.5-3 लीटर तक पानी या फ्लूइड लेना फायदेमंद है।

खीरा, ककड़ी, संतरा, तरबूज जैसे हाई-वॉटर कंटेंट फूड्स लेना फायदेमंद है। एंटीऑक्सिडेंट युक्त फल आंखों की सेल्स को नुकसान से बचाते हैं।विटामिन-ए और ल्यूटिन युक्त हरी सब्जियां विजन को सपोर्ट करती हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड आई हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। भोजन में बहुत ज्यादा नमक और शुगर से बचना जरूरी है।

निक्की तंबोली और अरबाज पटेल का क्या ब्रेकअप हो गया

मुंबई। एक्ट्रेस निक्की तंबोली और अरबाज पटेल दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया। जिसके बाद उनके अलग होने की चर्चा शुरू हो गई। हालांकि, निक्की और अरबाज ने अभी तक अपने ब्रेकअप की पुष्टि नहीं की। इस बीच दोनों ने सोशल मीडिया पर धोखे और टूटे वादों से जुड़े पोस्ट भी शेयर किए।अरबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर लिखा, 'अपने पार्टनर को धोखा देना, फिर घर आकर उसकी आंखों में देखकर कहना कि मैं तुमसे प्यार करता हूं, बेइज्जती का बिल्कुल अलग स्तर है। मैंने जो कहा, वही कहा।' अरबाज ने पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।